आश्विन शुक्ल - 7 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 67 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 29-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 लद्दाख के लोगों, संस्कृति पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे : राहुल

6 नवरात्रि : जहां नारी का समान, वहीं समाज का उत्थान

7 यह तो बस शुरुआत है, और भी राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना चाहती हूं : रानी मुखर्जी

सूर्यास्त 29-09-2025	सूर्योदय 30-09-2025
6:10 बजे	6:09 बजे

BSE	NSE
80,426.46	24,654.70
(-733.22)	(-236.15)

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बस चुप्पी

जाति और वर्ग आधारित,
नेताओं को बस सहना है।
प्रतिभाओं को कमजोरों के,
सम्मुख झुक करके रहना है।
धर्मों की धाराओं में रम,
नासमझी के सँग बहना है।
मैं भारत का आम नागरिक,
मुझे नहीं कुछ भी कहना है।।

अमित शाह ने नक्सलियों के संघर्ष विराम प्रस्ताव को ठुकराया

नक्सलियों को हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को माओवादियों द्वारा दिए गए संघर्ष विराम के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि अगर चरमपंथी हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है और सुरक्षा बल उन पर एक भी गोली नहीं चलाएंगे।

शाह ने कहा, हाल ही में भ्रम फैलाने के लिए एक पत्र लिखा गया, जिसमें कहा गया कि अब तक जो कुछ हुआ है वह एक गलती है, युद्ध विराम घोषित किया जाना चाहिए और हम (नक्सली) आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि कोई संघर्षविराम नहीं होगा। अगर आप आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो संघर्षविराम की कोई जरूरत नहीं है। हथियार डाल दें, एक भी गोली नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि यदि नक्सली आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो उनके लिए लाभदायक पुनर्वास नीति के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा।

'नक्सल मुक्त भारत' पर आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने वामपंथी उग्रवाद को वैचारिक समर्थन देने के लिए वामपंथी दलों पर निशाना साधा और उनके इस तर्क को खारिज कर दिया कि विकास की कमी के कारण माओवादी हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि यह लाल आतंक के कारण ही था कि कई दशकों तक देश के कई हिस्सों में विकास नहीं हो सका।

शाह ने यह बात कुछ समय पहले भाकपा (माओवादियों) द्वारा की गई संघर्ष विराम की पेशकश के जवाब में कही। यह पेशकश सुरक्षा बलों द्वारा छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर चलाए गए ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट सहित कई शीर्ष नक्सलियों के सफाए के बाद की गई थी।

करूर भगदड़

पीड़ित ने किया उच्च न्यायालय का रुख

चेन्नई/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय की रैली में शनिवार को हुई भगदड़ में घायल एक व्यक्ति ने रविवार को मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अनुरोध किया कि तमिलनाडु के डीजीपी को शनिवार की घटना की पूरी जांच होने, जिम्मेदारी तय होने और प्रभावी सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित होने तक पार्टी नेता को कोई और सार्वजनिक सभा आयोजित करने की अनुमति न देने का निर्देश दिया जाए।

पीड़ित ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि डीजीपी को निर्देश दिया जाए कि वह घटना की जांच होने तक टीवीके और उसके नेता विजय को कोई सार्वजनिक बैठक, रैली या राजनीतिक सभा आयोजित करने की अनुमति न दें। अपनी याचिका में, सेंथिलकन्नन ने टीवीके द्वारा दायर उस याचिका में खुद को एक पक्ष के रूप में शामिल करने का अनुरोध किया।

दुनिया को वैश्विक कार्यबल की जरूरत, नई व्यापार व्यवस्थाएं उभरेंगी : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया को बड़े पैमाने पर वैश्विक कार्यबल की जरूरत होगी और अनिश्चितताओं के बावजूद नई व्यापार व्यवस्थाएं उभरकर सामने आएंगी।

जयशंकर ने वैश्विक समीकरणों में बदलाव के बीच आर्थिक संबंधों में विविधता लाने के लिए लातिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें वार्षिक सत्र से इतर ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के कार्यक्रम में शनिवार को कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद व्यापार अपना रास्ता बनाता रहेगा।

जयशंकर ने कहा, दुनिया को वैश्विक कार्यबल की जरूरत होगी और अनिश्चितताओं के बावजूद व्यापार अपना रास्ता बनाता रहेगा। हम नई व्यापार व्यवस्थाएं, प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी और कार्यस्थल मॉडल देखेंगे, जो कम समय में वैश्विक परिदृश्य को बहुत अलग बना देंगे। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही लातिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों के साथ संपर्क में है, तथा वह व्यापार एवं साझेदारी को और आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे अशांत माहौल में, खासतौर पर बड़े देशों के लिए, अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के वास्ते क्षमता निर्माण करना अहम है। उन्होंने कहा, आज भारत में इस पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है। प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीयता और दक्षिण-दक्षिण सहयोग, सभी एक ही पहलू हैं।

दक्षिण-दक्षिण सहयोग उन विकासशील देशों के बीच ज्ञान, विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को दर्शाता है जो 'ग्लोबल साउथ' का हिस्सा हैं। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य आम विकास की चुनौतियों का समाधान करना, आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना और सामूहिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है, न कि विकसित देशों पर निर्भर रहना।

जयशंकर की यह टिप्पणी अमेरिका के एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर सालाना 1,00,000 अमेरिकी डॉलर किए जाने और रूसी तेल की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के हालिया कदमों के बीच आई है।

निस्वार्थ सेवा की भावना और अनुशासन आरएसएस की असली ताकत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने से महज कुछ दिन पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि निस्वार्थ सेवा की भावना और अनुशासन का पाठ ही संघ की असली ताकत है और इसके स्वयंसेवकों के प्रत्येक कार्य में 'राष्ट्र प्रथम' को प्राथमिकता दी जाती है।

मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त कराने के लिए 1925 में विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की थी और तब से इसकी यात्रा जितनी प्रेरणादायक है उतनी ही उल्लेखनीय और अभूतपूर्व भी रही है।

खुद आरएसएस के प्रचारक रहे मोदी ने हेडगेवार के उत्तराधिकारी एम एस गोलवलकर की भी प्रशंसा की और कहा कि उनका यह कथन कि यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है लोगों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, गुरुजी गोलवलकर के इस कथन ने लाखों स्वयंसेवकों को त्याग और सेवा का मार्ग दिखाया है। त्याग, सेवा और इससे मिलने वाला अनुशासन ही संघ की वास्तविक ताकत है। आज सौ वर्षों से भी अधिक समय से आरएसएस राष्ट्र सेवा में निरंतर जुटा हुआ है।

हाल ही में कुछ मौकों पर प्रधानमंत्री ने संगठन की उदारतापूर्वक प्रशंसा की है। इससे पहले उन्होंने इस साल स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में संगठन की सराहना की थी, इसके अलावा 11 सितंबर को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जन्मदिन पर उनके नेतृत्व को सराहा था।

अगले सप्ताह विजयादशमी पर आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। संगठन को सत्तारूढ़ भाजपा की वैचारिक संस्था माना जाता है।

मोदी ने कहा कि जब संघ की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और देश के स्वाभिमान व आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंची थी। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता को पहचान के संकट से जूझना पड़ रहा था।

मोदी ने कहा, हमारे देशवासी हीन भावना का शिकार हो रहे थे। इसलिए देश की आजादी के साथ-साथ यह भी जरूरी था कि यह बौद्धिक गुलामी से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आने पर आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, लाखों स्वयंसेवकों के हर कार्य और हर प्रयास में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव सर्वोपरि रहती है।

मोदी ने 'मन की बात' के 126वें संस्करण में एक बार फिर स्वदेशी पर जोर देते हुए लोगों से दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी की कोई वस्तु खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वोकल फोर लोकल को खरीदारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा, जब हम ऐसा करते हैं, तो हम सिर्फ कोई सामान नहीं खरीदते, हम किसी परिवार की उम्मीदों को जगाते हैं, किसी कारीगर की मेहनत को सम्मान देते हैं, किसी युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।

मोदी ने यह भी कहा कि सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कराने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के इसी तरह के प्रयासों के कारण, कोलकाता की दुर्गा पूजा भी इस यूनेस्को सूची का हिस्सा बन गई है।

प्रधानमंत्री ने नाविका सागर परिक्रमा के दौरान अदम्य साहस और अडिग संकल्प का उदाहरण पेश करने वालीं नौसेना की महिला अधिकारियों – लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा से भी बात की। उन्होंने उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रही हैं। आगामी गांधी जयंती (दो अक्टूबर) का उल्लेख करते हुए, मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद भारत में खादी के प्रति आकर्षण कम हो गया। उन्होंने कहा, ''हालांकि, पिछले 11 वर्षों में, खादी के प्रति आकर्षण में उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी हुई है और इसकी बिक्री लगातार बढ़ रही है। मैं आपसे दो अक्टूबर को खादी उत्पाद खरीदने का आग्रह करता हूं।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतीय, खासकर देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

लता मंगेशकर के योगदान की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने देशभक्ति के गीत गाए हैं जिनसे लोगों को बहुत प्रेरणा मिली है। रेडियो प्रसारण के दौरान मंगेशकर का गाया गीत 'ज्योति कलश छलके' भी बजाया गया।

रामायण के रचयिता और विशेष रूप से दलितों के बीच पूजनीय संत वाल्मीकि की जयंती सात अक्टूबर से पहले मोदी ने कहा कि अयोध्या में राम के मंदिर के साथ-साथ निषादराज और महर्षि वाल्मीकि को समर्पित मंदिर भी बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, ''रामायण का यह प्रभाव मंदिर में निहित भगवान राम के आदर्शों और मूल्यों के कारण है। भगवान राम ने सेवा, सद्भाव और करुणा की भावना से सभी को गले लगाया। इसलिए हमें लगता है कि महर्षि वाल्मीकि की रामायण के राम माता शबरी और निषादराज के साथ ही पूर्ण हैं।'' उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि जब वे राम मंदिर जाएं तो इन मंदिरों के भी दर्शन करें।

मोदी ने इस दौरान असम के प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक एस.एल. भैरप्पा को भी श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 300 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को 300 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और यमुना पार क्षेत्र के लिए नए सिरे से गठित मार्गों की शुरुआत की। अपने संबोधन के दौरान गुप्ता ने परिवहन क्षेत्र के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 2026 के अंत तक दिल्ली में पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा होगा। उन्होंने कहा, ''हमने बेहतर 'इंटरकनेक्टिविटी' के लिए नए सिरे से मार्ग गठित कर और मार्ग परिवर्तन के साथ यमुना मार्गों पर 300 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की हैं। दिल्ली की सीमाओं से लेकर हर उस गंतव्य तक जहां लोगों को इनकी जरूरत है, ये एसी बसें कैमरा, पैनिक बटन, सभी प्रकार की सुविधाओं और अब स्वचालित भुगतान विधियों से भी सुसज्जित हैं।''

गुजरात में 2.2 करोड़ रुपए कीमत की एंबरग्रीस जब्त, व्यक्ति गिरफ्तार

अमरेली/भाषा। गुजरात पुलिस ने अमरेली जिले में 2.2 करोड़ रुपए कीमत की एंबरग्रीस जब्त की है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एंबरग्रीस एक ठोस, मोम सरीखा, ज्वलनशील पदार्थ है, जो हल्के भूरे या काले रंग का होता है और स्पर्म व्हेल के पाचन तंत्र में बनता है तथा इत्र के उत्पादन में इस्तेमाल होता है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत भारत में एंबरग्रीस का व्यापार करना, उसे रखना या स्थानांतरित करना गैरकानूनी है।

अधिकारियों ने बताया कि विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने वरसदा गांव में नियमित गश्त के दौरान आरोपी रवि भास्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से एंबरग्रीस के 40 छोटे-बड़े टुकड़े बरामद किए, जिनका कुल वजन 2.199 किलोग्राम था। अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह प्रतिबंधित पदार्थ पड़ोसी जिले भावनगर से खरीदा था और वह इसे अमरेली के बागसरा गांव में बेचने की योजना बना रहा था। उन्होंने बताया कि वन विभाग और फोरेंसिक अधिकारियों ने जब्त पदार्थ की जांच की।

बांद्रा-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस के डिब्बे एक घंटे के भीतर दो बार अलग हुए, यात्री सुरक्षित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र और गुजरात में रविवार को एक घंटे के भीतर बांद्रा टर्मिनस से अमृतसर जाने वाली पश्चिम एक्सप्रेस के डिब्बों के अलग होने की दो घटनाएं सामने आईं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों ने कहा कि पहली घटना दोपहर 1:19 बजे वनगांव और दहानू स्टेशनों के बीच और दूसरी घटना दोपहर लगभग 2:10 बजे गुजरात के संजन स्टेशन पर हुई। पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं पहुंची और ना ही उन्हें असुविधा हुई है। उन्होंने कहा कि समग्र ट्रेन संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। शुरुआत में डिब्बों को फिर से जोड़ने के लिए ट्रेन को लगभग 25 मिनट तक रोका गया, उसके बाद लगभग दोपहर 1:46 बजे इसे आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि संजन स्टेशन पर ट्रेन का डिब्बा फिर से अलग हो गया। उन्होंने आगे बताया कि वलसाड से कैरिज एंड वैगन (सीएंडडब्ल्यू) कर्मचारियों को मौके पर सहायता के लिए भेजा गया और दोपहर 3:15 बजे मदद के लिए वलसाड से एक लोकोमोटिव इंजन घटना स्थल के लिए रवाना किया गया।

जीई एयरोस्पेस का एआई पर बड़ा दांव, देश में प्रतिभा खोज में मिली बड़ी सफलता: अधिकारी

बेंगलूरु/भाषा। उन्नत विमान इंजन तकनीकों पर कार्य कर रही जीई एयरोस्पेस अब इंजन डिजाइन में कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाश रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंजन के डिजाइन के बारे में बेहतर पूर्वानुमान सुनिश्चित करने के लिए एआई की मदद ली जा रही है। बेंगलूरु स्थित 25 वर्ष पुराना जॉन एफ वेल्च टेक्नोलॉजी सेंटर (जेएफडब्ल्यूटीसी) जीई एयरोस्पेस की नवोन्मेषी और सतत समाधानों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जीई एयरोस्पेस इंडिया के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी आलोक नंदा ने बताया कि इस केंद्र की स्थापना के बाद से अब तक जीई द्वारा पेश या प्रमाणित किए गए सभी इंजन किसी न किसी रूप में बेंगलूरु स्थित टीम की भागीदारी के साथ विकसित किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी को देश में प्रतिभा खोजने में अत्यधिक सफलता मिली है। इस दल के नाम पर अब तक 1,000 से अधिक विमानन प्रौद्योगिकी पेटेंट हैं।

लेह शहर में पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। हिंसा प्रभावित लेह शहर में रविवार को लगातार पांचवें दिन भी कर्फ्यू जारी रहा। उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने के बारे में फैसला लेने के लिए समीक्षा बैठक करने वाले हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा आहूत बंद के दौरान व्यापक विरोध के बाद बुधवार शाम को कर्फ्यू लगा दिया गया था।

लेह शहर में शनिवार को कर्फ्यू में पहली बार चरणबद्ध तरीके से चार घंटे की ढील दी गई और जो शांतिपूर्ण रही। बुधवार को हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए जबकि दंगों में

संलिप्तता के आरोप में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को भी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया और उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया। एक अधिकारी ने कहा, ''स्थिति सामान्य रही और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। उपराज्यपाल जल्द राजभवन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और दिन के दौरान प्रतिबंधों में ढील देने पर निर्णय लिया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि लेह में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहीं, जबकि करगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अन्य प्रमुख हिस्सों में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंधात्मक आदेश भी लागू रहे।

कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में पुलिस और दंगा-रोधी उपकरणों से लैस केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भारी संख्या में तैनात देखे गए जबकि भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के जवान भी आज सुबह फ्लैग मार्च करते दिखाई दिए। हिंसा में मारे गए दो लोगों का अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। लेह हिंसा के बाद पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में नामजद कई लोगों में दो कांग्रेस पार्षदों के नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने शनिवार को एक स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया।

तेलंगाना: 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट को लेकर व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

करीमनगर/भाषा। तेलंगाना के जगतियाल जिले के एक गांव में रहने वाली एक महिला के बारे में 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट करने के लिए उसी गांव के 28 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सारंगपुर मंडल के रेचापल्ली गांव में रहने वाले चालक एडुरुगतला सतीश के रूप में हुई है, जो पहले उस महिला के साथ रिश्ते में था। पुलिस के अनुसार, महिला ने हाल ही में सतीश को बताया कि वह अब इस रिश्ते को जारी नहीं रखना चाहती क्योंकि उसका परिवार उसके विवाह के लिए वर की तलाश कर रहा है।

पुलिस ने बताया कि इस बात से नाराज सतीश ने 'इंस्टाग्राम' पर कथित रूप से एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें उसने अपने प्यार का इजहार किया और चेतावनी दी कि कोई भी उससे शादी न करे। पुलिस के मुताबिक, इस पोस्ट से महिला के परिवार वाले कथित तौर पर नाराज हो गए और शनिवार शाम लगभग सात बजे सतीश के घर पर पहुंच गए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, इसके बाद हुए विवाद में लड़की के परिवार के सदस्यों ने लाठियों से सतीश की पिटाई की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

उत्तराखंड सरकार परीक्षा में नकल को लेकर सख्त : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में देश का सबसे कठोर नकल-रोधी कानून लागू किया और नकल माफिया से जुड़े 100 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

धामी ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा, ''हमने एक कड़ा नकल-रोधी कानून बनाया। हमने नकल माफियाओं से जुड़े 100 से अधिक लोगों को जेल भेजा। हमने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से 25,000 पात्र उम्मीदवारों को सरकारी विभागों में नौकरियां दीं। हमने राज्य में पहली बार भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया। ये कदम हमारी मंशा को दर्शाते हैं।'' इस महीने की शुरुआत में आयोजित स्नातक स्तरीय

एसआईटी कर रही प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच

प्रतियोगी परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक और नकल के आरोपों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए, धामी ने कहा कि मामले की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, ''इसके निष्कर्षों का इंतजार करें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर आरोप सही हैं, तो इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।'' जब उन्हें बताया गया कि छात्रों का एक वर्ग इस मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहा है, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि वह छात्रों के हित में इस मामले में किसी भी जांच का आदेश देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''छात्रों का हित मेरे लिए सर्वोपरि है और मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं। मैं सीबीआई जांच के खिलाफ नहीं हूं। एसआईटी इसकी जांच कर रही है और हमें उसके निष्कर्ष का इंतजार करना चाहिए।''

यौन उत्पीड़न के आरोपी स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को रविवार को यहां की एक अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट रवि ने यह आदेश दिया। रविवार सुबह आगरा से गिरफ्तार किए गए 62 वर्षीय आरोपी को अपराह्न 3:40 बजे न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

बहस के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि चैतन्यानंद ने कई छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की तथा उनसे यौन संबंध बनाने की मांग की और पीड़िताओं की गवाही ने आरोपों की पुष्टि की है। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया, चैतन्यानंद उन्हें (लड़कियों को) धमकियां दी थीं। उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे – कुछ कैमरे शौचालय में भी

लगाए गए थे। लगभग 16 लड़कियों ने शिकायत की है। कई अन्य आरोपों की पुष्टि की जानी है।

आरोपी के वकील ने हिरासत में पूछताछ की मांग का विरोध करते हुए कहा कि सभी 16-20 छात्राओं ने पहले ही अपने बयान दर्ज करा दिए हैं। वकील ने अपने मुवक्किल के हवाले से कहा, आपने पहले ही मेरे फोन, एक आईपैड और मेरा सामान ले लिया है। मैं मधुमेह से पीड़ित हूं और मुझे बेचैनी की समस्या है। मेरे भिक्षु वाले वस्त्र छीन लिए गए हैं। उन्होंने दलील दी, मुझे (चैतन्यानंद को) अपने वस्त्र पहनने की अनुमति नहीं है। आप केवल मुझे परेशान करने के लिए पुलिस हिरासत चाहते हैं। यदि आपको लगता है कि (महिलाओं के लिए) कोई खतरा है, तो मुझे न्यायिक हिरासत में लेकर उसका उपाय किया जा सकता है।

शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि पुलिस हिरासत की आवश्यकता है, क्योंकि आरोपी का पीड़िताओं के बयान और डिजिटल एवं अन्य साक्ष्यों के साथ सामना कराना होगा। जवाब में बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि अभियोजन पक्ष खोखले शब्दों का इस्तेमाल कर रहा है। शिकायतकर्ता के वकील ने कहा, एक गवाह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उसने शिकायत करने की हिम्मत की, तो उसे उठा लिया जाएगा। जांच, जो अभी प्रारंभिक चरण में है, उसमें छेड़छाड़ का खतरा है। धोखाधड़ी के अपराध के लिए एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज कर दी गई है।

वकील ने कहा, यह पहली बार है, जब वह दो महीने में जांच में शामिल हुआ है। आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। उसने अपने आईपैड और आईक्लाउड के पासवर्ड नहीं बताए हैं। सिर्फ जब्ती काफी नहीं है।

बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल के आचरण का पुलिस हिरासत की मांग वाली याचिका से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, उनके पास लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज हैं। उन्हें पुलिस हिरासत की आवश्यकता बतानी होगी।

प्रशिक्षण विमान रनवे से फिसला, प्रशिक्षु पायलट सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरेली (गुजरात)/भाषा। गुजरात के अमरेली हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान रविवार दोपहर एक प्रशिक्षण विमान रनवे से फिसल गया, हालांकि प्रशिक्षु पायलट को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमरेली के कलेक्टर विकल्प भारद्वाज ने बताया कि एक सीट वाला यह छोटा विमान एक निजी विमानन संस्थान का था। भारद्वाज ने कहा, हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान प्रशिक्षण विमान रनवे से फिसल गया। विमान को कुछ नुकसान पहुंचा, लेकिन प्रशिक्षु पायलट सुरक्षित है। नागरिक उड्डयन अधिकारी इस घटना की जांच करेंगे।

इस वर्ष अप्रैल में एक प्रशिक्षु पायलट की उस समय मृत्यु हो गई थी, जब एक प्रशिक्षण विमान हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद अमरेली शहर के निकट एक आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में कुछ क्रिकेटरों और अभिनेता-अभिनेत्रियों की संपत्ति कुर्क कर सकती है ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही एक ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धनशोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत कुछ खिलाड़ियों और अभिनेताओं की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क कर सकता है।

आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'वनदबेट' पोर्टल से जुड़े मामले की जांच में पाया गया है कि इनमें से कुछ हस्तियों ने उन्हें दिए गए विज्ञापन शुल्क का इस्तेमाल कई तरह की संपत्तियां हासिल करने में किया और ये पीएमएलए के तहत ''अपराध से अर्जित आय'' मानी जाती हैं। संघीय जांच एजेंसी जल्द ही इन चल और अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी करेगी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में स्थित कुछ संपत्तियां भी शामिल हैं। इन संपत्तियों का परिमाणीकरण (क्वांटिफिकेशन) और मूल्यांकन अभी जारी है।

सूत्रों ने बताया कि धनशोधन से अर्जित संपत्तियों को अपराध की आय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उन्हें इसलिए कुर्क किया जाता है, ताकि इस अपराध में लिप्त व्यक्ति ऐसे आपराधिक कृत्य का फायदा न उठा पाए। उन्होंने बताया कि कुर्की आदेश जारी करने के बाद इसे पीएमएलए के तहत संबंधित प्राधिकरण को पुष्टि के लिए भेजा जाएगा और मंजूरी मिलने पर इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए अदालत में आरोप-पत्र दायर किया जाएगा। पिछले कुछ हफ्तों में ईडी ने इस जांच के तहत युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों और अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती (पूर्व तृणमूल सांसद) और अंकुश हाजरा (बांग्ला सिनेमा) से भी पूछताछ की है।

सरकार ने राष्ट्रीय वाद नीति योजना लाने का विचार रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने वर्षों से विचाराधीन राष्ट्रीय वाद नीति लाने की योजना से किनारा कर लिया है। इसके बजाय उसने केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों को अदालती मामलों में कमी लाने के उपायों को लेकर निर्देश जारी किए हैं।

सबसे बड़ा मुकदमेबाज होने का ठप्पा हटाने के लिए केंद्र सरकार उन मामलों की संख्या में कमी लाने के लिए एक व्यापक नीति पर काम कर रही है, जिनमें वह, उसके विभाग या सार्वजनिक उपक्रम पक्षकार हैं। हालांकि, काफी सोच-विचार के बाद, केंद्रीय विधि मंत्रालय ने अंततः राष्ट्रीय वाद नीति लाने की योजना को रद्द कर दिया है। इस कदम के पीछे यह धारणा है कि सरकार मुकदमों पर अंकुश लगाने की कोई नीति नहीं बना सकती, क्योंकि वह आम लोगों को मुकदमे दायर करने से नहीं रोक सकती। विधि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, नीति शब्द का इस्तेमाल तब नहीं किया जा सकता, जब यह केवल सरकार, उसके मंत्रालयों और विभागों पर लागू हो और निजी मुकदमों पर न लागू हो। उन्होंने कहा, जो चीज सार्वभौमिक रूप से लागू न हो, उसे 'नीति' नहीं कहा जा सकता... सरकारी मुकदमों की संख्या में कमी लाना एक बहुत ही आंतरिक मुद्दा है।' अधिकारी ने बताया कि 'निर्देश' शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया गया है, क्योंकि इसमें 'बल का भाव' है और दिशा-निर्देश जैसे शब्दों का इस्तेमाल इसलिए नहीं किया गया, क्योंकि वे 'सामान्य प्रकृति' के होते हैं। अधिकारी के मुताबिक, नीति नहीं लाने का एक अन्य प्रमुख कारण यह था कि इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी की आवश्यकता होती। उन्होंने कहा कि इसी तरह भविष्य में इसमें किसी भी बदलाव के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत पड़ती।

तमिलनाडु में भगदड़ की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 40 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/करूर। तमिलनाडु में करूर के वेलुचामीपुरम में मची भगदड़ में मृतकों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है जिनमें नौ बच्चे शामिल हैं। इस घटना से अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के सदस्य स्तब्ध हैं। शनिवार को टीवीके की रैली में कथित तौर पर खराब व्यवस्था के लिए पार्टी को कई हलकों से तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के. पलानीस्वामी ने रविवार को दावा किया कि यहां टीवीके की राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा में हुई चूक का सबूत है।

पुलिस ने हालांकि दावा किया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, क्योंकि अभिनेता को देखने के लिए अपेक्षित संख्या से कहीं अधिक हजारों लोग एकत्र हुए थे। कार्यक्रम स्थल पर जूतों और चप्पलों के ढेर, कुचली हुई पानी की बोतलें, फटे हुए पार्टी झंडे, कपड़ों के टुकड़े, टूटे हुए डंडे और तरह-तरह के कूड़े-कचरे के ढेर उस दुखद घटना की याद दिलाते हैं। भगदड़ में किसी तरह जान बचाकर निकले युवक ने दावा किया, ''जब एक साथ सैकड़ों लोग जान बचाने की कोशिश में भाग रहे थे तो कई लोगों को धक्का लगा और वे सड़क किनारे नाले में गिर गए।'' उन्होंने कहा कि जो पल उनके चहेते सितारे का स्वागत करने के जश्न के रूप में शुरू हुआ था, वह एक भयावह त्रासदी में बदल गया।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जब प्रशंसक विजय का नाम लेकर नारे लगा रहे थे, तब कई लोगों को यह एहसास तक नहीं हुआ कि वहां भगदड़ मच गई है और कई लोग नीचे गिर पड़े हैं। जैसे ही कुछ लोगों के पैर नीचे गिरे लोगों पर पड़े वे भी लड़खड़ाकर गिर गए।'' भगदड़ के कारणों को लेकर कई लोगों के अपने-अपने दावे हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन के गलत स्थान के चयन की वजह से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गईं। इस वजह से कई लोग घायल हो गए।

इसी समय स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग यह समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। लगभग 70 वर्षीय एक बुजुर्ग ने कहा, ''अपने जीवन में मैंने कभी नहीं देखा कि किसी राजनीतिक रैली में भगदड़ में इतनी बड़ी तादाद में लोग मारे गए हों।'' करूर सरकारी अस्पताल के कर्मचारी भी घायलों को लाने वाली एम्बुलेंसों के लगातार बजते सायरन से दुखी थे और पुलिसकर्मी पीड़ितों को उपचार वार्ड तक ले जाने में जुटे थे। विजय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह घटना से बेहद दुखी हैं।

अभिनेता ने कहा कि वह अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने करूर में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन चेन्नई से करूर पहुंचे और विजय की रैली में भगदड़ के दौरान घायल हुए लोगों का हालचाल जानने अस्पताल गए। स्टालिन ने चिकित्सकों से घायलों का हालचाल जाना, घायलों को ढाढ़स बंधाया और उन्हें बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने रविवार को बताया कि भगदड़ में मरने वालों की संख्या 39 से बढ़कर 40 हो गई है।

टीवीके ने मदुरै स्थित मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ में करूर भगदड़ घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की। घटना में किसी साजिश का आरोप लगाने से बचते हुए टीवीके के उप महासचिव निर्मल कुमार ने मीडिया को बताया कि पार्टी ने घटना की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च न्यायालय की खंडपीठ से गुहार लगाई है। उन्होंने कहा, न्यायाधीश कल अपराह्न दो बजकर 15 मिनट पर मामले की सुनवाई के लिए सहमत हो गए हैं। इसके बाद हम अपना बयान आधिकारिक रूप से जारी करेंगे।

इससे पहले अस्पताल में भर्ती लोगों से मिलने के बाद तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव सेंथिल कुमार ने संवाददाताओं से कहा था, ''इस हादसे में अब तक 39 लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें 17 महिलाएं, 13 पुरुष, चार लड़के और पांच लड़कियां शामिल हैं।'' इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी वेंकटरमन ने कहा कि विजय शाम 7.40 बजे पहुंचे थे। वेंकटरमन ने बताया कि आयोजकों ने लगभग 10,000 लोगों के आने की उम्मीद जताई थी, लेकिन अभिनेता की एक झलक पाने के लिए करीब 27,000 लोग पहुंच गए।

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुणा जगदीशन के नेतृत्व वाला आयोग भगदड़ की घटना की जांच के लिए आज दिन में करूर पहुंचेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन, समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करेंगे। अपनी विदेश यात्रा बीच में छोड़कर आए उदयनिधि ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और यहां एक अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम समेत कैबिनेट के अन्य सहयोगी भी मौजूद थे। विजय ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, प्रत्येक मृतक के परिजन को 20 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को दो लाख रुपये दिए जाएंगे।''

करूर में जश्न के मातम में बदलने की कहानी बयां कर रहे चप्पलों के ढेर व टूटे खंभे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। बिखरी पड़ी चप्पलें, पिचकी हुई पानी की बोतलें, टूटे खंभे और बिखरे कागज-उस भयानक पल की गवाही दे रहे थे, जिसने कई जिंदगियों को निगल लिया और जश्न को मातम में बदल दिया। सुबह की सैर पर निकले लोग और दूध-सब्जी लेने निकले राहगीर जब तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की बीती रात हुई रैली के स्थल से गुजरे तो वहां पसरे सन्नाटे और बिखरे सामान को देखकर स्तब्ध रह गए। कोई समझ नहीं पा रहा था कि आखिर रात में ऐसा क्या हुआ जिसने यह भयावह दृश्य अपने पीछे छोड़ दिया। पुलिस ने घटनास्थल को 'कृपया पार न करें' चेतावनी वाली टेप से घेर कर आम लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। जिन्होंने रात को टीवी नहीं देखा या जल्दी सो गए, वे लोग सुबह यह जानकर स्तब्ध रह गए कि इस कार्यक्रम में भगदड़ के कारण 38 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

जब कुछ वीडियोग्राफर भगदड़ वाली जगह की रिकॉर्डिंग कर रहे थे तो वहां मौजूद कुछ बुजुर्ग अविश्वास भरी निगाहों से वहां मौजूद छाया पत्रकारों से पूछते नजर आए, क्या वाकई यहां भगदड़ हुई थी?

जहां एक ओर घटनास्थल पर एक ऊंचे खंभे पर टीवीके का झंडा अब भी लहरा रहा है, वहीं दूसरी ओर जगह-जगह स्पीकर के बड़े-बड़े डिब्बे मेगा लाइट और फटे पोस्टर जैसी प्रचार सामग्री के ढेर पड़े हैं। इस दर्दनाक घटना के बीच टीवीके के कार्यकर्ता और पदाधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं-कोई भी यह कहने को तैयार नहीं कि आखिर उनकी योजना में चूक कहां हो गई। भगदड़ में किसी तरह जान बचाकर निकाले युवक ने दावा किया, जब एक साथ सैकड़ों लोग जान बचाने की कोशिश में भाग रहे थे तो कई लोगों को धक्का लगा और वे सड़क किनारे नाले में गए।

उन्होंने कहा कि जो पल उनके चहेते सितारे का स्वागत करने के जश्न के रूप में शुरू हुआ था, वह एक भयावह त्रासदी में बदल गया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, जब प्रशंसक विजय का नाम लेकर नारे लगा रहे थे, तब कई लोगों को यह एहसास तक नहीं हुआ कि वहां भगदड़ मच गई और कई लोग नीचे गिर पड़े हैं। जैसे ही कुछ लोगों के पैर नीचे गिरे लोगों पर पड़े वे भी लड़खड़ाकर गिर गए। भगदड़ के कारणों को लेकर कई लोगों के अपने-अपने दावे हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन के गलत स्थान के चयन की वजह से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से।

कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गईं। इस वजह से कई लोग घायल हो गए। इसी समय स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग यह समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। करीब 70 वर्षीय एक बुजुर्ग ने कहा, ''अपने जीवन में मैंने कभी नहीं देखा कि किसी राजनीतिक रैली में भगदड़ में इतनी बड़ी तादाद में लोग मारे गए हों।'' उन्होंने अभिनेता की सिर्फ एक झलक पाने की युवाओं की बेचैनी को इस घटना का जिम्मेदार ठहराया। करूर के सरकारी अस्पताल के कर्मचारी भी उस भयावह मंजर से हिल गए। हालात इतने गंभीर थे कि पुलिसकर्मी भी चिकित्सकों के साथ मिलकर घायलों को उठाकर वार्ड तक पहुंचाने में लगे थे।

जिन परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खो दिया वे इस हकीकत को स्वीकार ही नहीं कर पा रहे थे। उनके आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। अपने बेसुध बच्चों को सीने से लगाए रोते माता-पिता का दृश्य झकझोर देने वाला था। सरकार के अनुसार इस घटना में 38 लोगों की जान गई है जिनमें 12 पुरुष, 16 महिलाएं और 10 बच्चे हैं। मुर्दाघर के बाहर रातभर चीख-पुकार गूंजती रही। मृतकों के परिजन रात भर विलाप करते रहे। इसके अलावा, पुलिस ने भगदड़ के लगभग एक घंटे बाद कार्यक्रम स्थल से बची भीड़ को खदेड़ने के लिए बार-बार लाठीचार्ज किया। भगदड़ के बाद, विजय कार्यक्रम स्थल से चले गए और तिरुचिरापल्ली तथा चेन्नई हवाई अड्डों पर इंतजार कर रहे पत्रकारों से बात नहीं की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं मर्माहत हूं, मैं असहनीय पीड़ा और गहरे शोक में हूं।'' अभिनेता ने कहा कि वह उपचाराधीन लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। विजय ने करूर में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

टीवीके ने भगदड़ में हुई मौतों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

चेन्नई। अभिनेता से नेता बजे विजय के नेतृत्व वाली पार्टी टीवीके ने रविवार को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. दंडपाणि के समक्ष उल्लेख किया कि पार्टी द्वारा 27 सितंबर को करूर में आयोजित एक रैली में भगदड़ के दौरान हुई 40 लोगों की मौत की घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) से कराने का आदेश दिया जाए।

टीवीके की अधिवक्ता इकाई के अध्यक्ष एस. अरिवाझगन के नेतृत्व में वकीलों के एक समूह ने ग्रीनवेज रोड स्थित न्यायमूर्ति एम.दंडपाणि के आवास पर जाकर यह उल्लेख किया। वैकल्पिक रूप से, उन्होंने न्यायालय से अनुरोध किया कि वह इस घटना (भगदड़ के कारण 40 लोगों की मौत) का स्वत: संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू करे।

टीवीके के पदाधिकारी निर्मल कुमार के अनुसार, न्यायाधीश ने वकीलों से कहा कि वे मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के समक्ष एक याचिका दायर करें और इस पर सोमवार अपराह्न 2.15 बजे सुनवाई की जाएगी।

भगदड़ टीवीके की सभा में 'सुरक्षा चूक' का सबूत है : अन्नाद्रमुक के महासचिव का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के. पलानीस्वामी ने रविवार को दावा किया कि शनिवार को यहां टीवीके की राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा में हुई चूक का सबूत है। पलानीस्वामी ने कहा कि अगर पुलिस और राज्य सरकार ने पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए होते तो ऐसी त्रासदी'' टाली जा सकती थी।

इस हादसे में 39 बेकसूर लोगों की जान चली गई और 51 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पलानीस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विजय की

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सभा में सुरक्षा चूक के सबूत हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण अफरा-तफरी और भगदड़ मची। टीवीके को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एहतियाती कदम उठाने चाहिए थे, क्योंकि उसने अब तक चार सभाएं की हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को टीवीके की पिछली सभाओं में जुटी भीड़ को ध्यान में रखते हुए और करूर सभा की मौजूदा स्थिति के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था करनी चाहिए थी और उसे मजबूत करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सरकार और टीवीके नेतृत्व को भी सुरक्षा व्यवस्था पर विचार करना चाहिए था।

अन्नाद्रमुक नेता ने पहले करूर सरकारी अस्पताल का दौरा किया और उपचाराधीन मरीजों का हालचाल जाना साथ ही चिकित्सकों से भी बातचीत की। पलानीस्वामी ने कहा, ''पार्टी, सरकार और पुलिस पर भरोसा करके जनता ऐसी सभाओं में शामिल होती है। इतने सारे लोगों की जान जाने की घटना को टाला जा सकता था। मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूं। हमने कई लोगों को खो दिया। ऐसी त्रासदी कहीं नहीं हुई। यह चौंकाने वाला है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में अन्य राजनीतिक दलों की सभाओं में ऐसी त्रासदी कभी नहीं हुई।

विजय ने भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को 20 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने 27 सितंबर को करूर में अपनी पार्टी की रैली के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को 20 लाख रुपये मुआवजा देने की रविवार को घोषणा की। विजय ने यह भी कहा कि घटना में घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को दो लाख रुपये दिया जाएगा। अभिनेता से नेता बने विजय ने कहा कि वह घटना से बेहद दुखी हैं। इस घटना में 30 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।

उन्होंने सोशल मीडिया पर रविवार को किए गए एक पोस्ट में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ''प्रत्येक मृतक के परिजन को 20 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को दो लाख रुपये दिए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''जो नुकसान हुआ है उसे देखते हुए यह रकम कुछ भी नहीं है। मुझे पता है कि आपको जो क्षति पहुंची है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती। यह एक अपूरणीय

क्षति है। हालांकि, दुख की इस घड़ी में आपके साथ खड़ा होना और आपका दुख साझा करना मेरा कर्तव्य है।''

उन्होंने कहा कि वह घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। विजय ने कहा कि करूर की घटना कल्पना से परे है और वह इस पीड़ा को बयां नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ''रैली में जिन लोगों से मैं मिला था उनके चेहरे मेरी आंखों के सामने घूम रहे हैं।'' प्रभावित परिवारों की मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा, आइए हम इससे उबरने का प्रयास करें।''

सबरीमला टिप्पणी को लेकर एनएसएस महासचिव को निशाना बनाने वाले और पोस्टर पथनमथिट्टा में लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा। सबरीमला मुद्दे पर टिप्पणी को लेकर नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) के महासचिव जी सुकुमारन नायर को निशाना बनाने वाले और पोस्टर रविवार को दक्षिण केरल के इस जिले के विभिन्न हिस्सों में दिखाई दिए। ये नए पोस्टर थिरुवल्ला और पेरिंगारा इलाकों में सेव नायर फोरम' के बैनर तले लगाए गए। इन सभी पोस्टर में 'बाहुबली' फिल्म के किरदार कट्टप्पा की नायक को तलवार मारते हुए तस्वीर लगी है। पोस्टर में यह संदेश लिखा है कि नायर ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सरकार को समर्थन देकर अयप्पा भक्तों की पीठ में छुरा घोंपा है।

विवाद तब उत्पन्न हुआ जब नायर ने हाल ही में कहा कि उन्हें सबरीमाला मंदिर की प्राचीन परंपराओं और रीति-रिवाजों को बनाए रखने में एलडीएफ सरकार पर भरोसा है। यह बयान उन्होंने त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) द्वारा राज्य सरकार के समर्थन से आयोजित 'ग्लोबल अय्यप्पा संगम' के संदर्भ में दिया। उनके इस बयान से नायर समुदाय के कुछ वर्गों में असंतोष पैदा हो गया, जिसके कारण पथनमथिट्टा और यहां तक कि पड़ोसी जिलों के विभिन्न हिस्सों में भी पोस्टर दिखाई दिए। चांगनास्सेरी में पेरुन्ना स्थित एनएसएस मुख्यालय में शनिवार को हुई बैठक के बाद, नायर ने दोहराया कि उनका कोई राजनीतिक रुख नहीं है और वह अपने बयान पर दृढ़ हैं। पोस्टर अभियान को खारिज करते हुए, उन्होंने कहा कि वह विरोध प्रदर्शनों से चिंतित नहीं हैं और उनका सामना करने के लिए तैयार हैं।

कृष्णा और भीमा नदियों में बाढ़ के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बचाव अभियानों का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कलबुर्गी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कलबुर्गी, बीदर, यादगीर और विजयपुरा जिलों में कृष्णा और भीमा नदियों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शीर्ष अधिकारियों को कई निर्देश दिए। कलबुर्गी में भारी बारिश और महाराष्ट्र के उजानी व नीरा जलाशयों से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण बेनेथोरा समेत कई निचले इलाकों के गांवों में पानी बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और कलबुर्गी के उपायुक्त को कड़ी निगरानी बनाए रखने और बचाव एवं राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्तरी कर्नाटक के चार जिलों के उपायुक्तों और पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आपातकालीन उपाय करने चाहिए। सिद्दरामय्या के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने राज्य सचिवालय स्तर पर जवाबदेही तय करने के लिए भी कहा है। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक में कहा, ज़िला प्रभारी सचिवों को तुरंत जिलों का दौरा करना चाहिए, स्थिति की समीक्षा करनी

चाहिए और जिला प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देने चाहिए। बैठक में गौड़ा और रजनीश भी मौजूद थे।

उन्होंने अंतर-विभागीय समन्वय कायम करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और ग्रामीण विकास विभाग के सचिव और जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को घटनास्थल का दौरा करने के लिए कहा। कलबुर्गी से जलभराव, खेतों में पानी भर जाने और सड़क संपर्क कट जाने की लगातार खबरें आने के बीच मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मानव और पशु जीवन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, मानव जीवन, पशुधन और जानवरों को कोई नुकसान न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आदेश दिया कि प्रभावित लोगों के लिए राहत केंद्रों की व्यवस्था की जाए और जानवरों के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध कराया जाए। इन निर्देशों पर अमल करते हुए, जिला अधिकारियों ने संकटग्रस्त परिवारों को सुरक्षित आश्रयों में पहुंचाना शुरू कर दिया है।

एर्नाकुलम जंक्शन और बेंगलूरु छावनी के बीच विशेष ट्रेनें

चेन्नई। पूजा उत्सव के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए निम्नलिखित विशेष रेल ट्रेन संख्या 06147/06148 एर्नाकुलम जंक्शन-बेंगलूरु छावनी-एर्नाकुलम जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल चलाई जा रही हैं। ट्रेन संख्या 06147 एर्नाकुलम जंक्शन-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल रविवार को 28 सितंबर और 05 अक्टूबर को 16.20 बजे एर्नाकुलम जंक्शन से रवाना होगी और अगले दिन 08.15 बजे बेंगलूरु छावनी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06148 बेंगलूरु छावनी-एर्नाकुलम जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल सोमवार को 29 सितंबर और 06 अक्टूबर को 22.10 बजे बेंगलूरु छावनी से रवाना होगी और अगले दिन 10.00 बजे एर्नाकुलम जंक्शन पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2-एसी टू टियर कोच, 3-एसी थ्री टियर कोच, 7-एसी थ्री टियर इकोनॉमी कोच, 4-स्लीपर क्लास कोच, 4-सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 4-सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2-लगेज सह ब्रेक वैन है।

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन पर विचार नही किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु.)	अवधि	निविदा की तारीख	
				निविदा बंद होने की तारीख	निविदा खुलने की तारीख
2025499211979	फर्निशिंग डिविजन/सडिका के यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग में सहायकों के आउटसोर्सिंग के लिए सेवा ठेका	Rs.5,16,79,167.27	300 कार्य दिवस	24.10.2025 को 14.45 बजे	24.10.2025 को 15.00 बजे

उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

मुख्य सरक्षा अधिकारी/फर

सनातन संस्कृति में गौ माता का विशेष महत्व, हमारी सरकार ने गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उठाए ठोस कदम : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में गौ माता को विशेष महत्व दिया गया है तथा गाय को देवत्व का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए पंजीकृत गौशाला के लिए मिलने वाले अनुदान को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति गाय प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन किया है। शर्मा रविवार को डीग जिले के गुहाना स्थित जड़खोर गौ-धाम में आयोजित कृष्ण बलराम गौ-आराधन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में प्रदेश के लघु एवं सीमान्त किसानों को बैलों से खेती करने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष देने का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से पूरे देश में सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तथा महाकाल कॉरिडोर का निर्माण हमारी विरासत को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने खाटूश्याम जी मंदिर, पूंछरी का लौठा सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बजट में प्रावधान किए हैं। साथ ही हमारी सरकार भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़े स्थलों को श्रीकृष्ण गमन पथ के रूप में विकसित कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में संतों-महंतों का विशेष महत्व है। श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है तथा हमारे जीवन के लिए मार्गदर्शक है। इसके दर्शन मात्र से जीवन में सुख, शांति और संतोष प्राप्त होता है। हमें इन आदर्शों को अपने आचरण में अपनाना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि सभी संस्कृति के संरक्षण एवं गौ माता की सेवा का संकल्प लें। राज्य सरकार हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाने के लिए तत्पर है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जड़खोर गोष्ठ बिहारी मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए और कामधेनु गोशाला में गौ-पूजन कर गाय को गुड़ व हरा चारा खिलाया।

साथ ही शर्मा ने परम पूज्य स्वामी श्रीराजेन्द्रदास देवाचार्यजी महाराज के श्रीमुख से भागवत कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक नौक्षम चौधरी सहित विभिन्न साधु-संत एवं बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

एक व्यक्ति ने गाड़ी से कुचलकर अपने चचेरे भाई को मार डाला, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में शराब पीने के बाद हुए विवाद में 35 साल के एक युवक की उसके चचेरे भाई और एक अन्य ने कथित तौर पर गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात सूरजगढ़ थाना क्षेत्र के जीणी पंचायत में हुई। पुलिस के अनुसार विजय को उसका चचेरा भाई प्रदीप और एक अन्य ग्रामीण मान सिंह शुक्रवार को कार में लेकर निकले थे। तीनों ने गांव के एक पेट्रोल पंप के पास शराब पी। वापस लौटते समय उनके बीच बहस हो गई। सूरजगढ़ के थानाधिकारी धर्मेंद्र मीणा ने कहा, ''विजय गाड़ी से उतरकर फोन पर बात कर रहा था, तभी प्रदीप और मान सिंह ने उसे कार से कुचल दिया और कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गए।'' उन्होंने बताया कि विजय के परिवार की शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि विवाद के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट में लगी आग : दम घुटने से 2 भाइयों की मौत

कोटा। शहर के अनंतपुरा थाना इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर की एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट में आग लगने के कारण दम घुटने से 2 भाईयों की मौत हो गई है। दोनों भाई फ्लैट में अकेले सो रहे थे, जबकि उनके पिता जितेंद्र शर्मा जागरण में गए हुए थे और उनकी मां किसी काम से मुंबई गई थी। आग व जलने की बदबू आने पर पड़ोसियों को पता लगने पर फ्लैट का ताला तोड़ा और जितेंद्र शर्मा को फोन किया था, तुरंत दोनों बच्चों को कॉमर्स कॉलेज स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया है, जहां चिकित्सा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अनंतपुरा थाना अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दीप श्री अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर बी- 403 में देर रात 2 बजे के आसपास संभवत शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे ब्लास्ट हो गया और दम घुटने से बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चों के शव को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी के लिए शिफ्ट करवा दिया है। मृतक बच्चों में 15 वर्षीय शौर्य शर्मा और 10 वर्षीय वीर शर्मा शामिल है।

पहली बार 7 महिला अधिकारी एक साथ जेलर बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कारागार विभाग में वर्ष 2023-24 की डिप्टी जेलर से जेलर पद की पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) ने शुक्रवार और शनिवार को संवीक्षा परीक्षा आयोजित कर 21 जेलर को पदोन्नत करने की सिफारिश की है। इसी वर्ष गत माह दो जेलर को गैलेंट्री प्रमोशन दिया गया था। इस प्रकार 23 डिप्टी जेलर को जेलर पद पर पदोन्नत किया गया है। जेलर के पद जिला एवं केंद्रीय कारागार पर होते हैं। विभागीय पदोन्नति समिति में महानिदेशक पुलिस कारागार गोविंद गुप्ता (अध्यक्ष), जेल अधीक्षक मुख्यालय जयपुर प्रमोद सिंह (सदस्य) तथा अधीक्षक स्पेशल सेंट्रल जेल श्यालावास दौसा पारस जांगिड (सदस्य सचिव) रहे। समिति ने राजस्थान पुलिस एकेडमी में लिखित परीक्षा, आउटडोर परीक्षा तथा साक्षात्कार आयोजित कर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया।

सदस्य सचिव पारस जांगिड के अनुसार अशोक पारीक, सुषमा सेन, दिव्या चौधरी, सतेंद्र, प्रियंका चौधरी, हिना, सुमन कुमारी, कविता बिश्नोई, रणवीर सिंह, हेमंत भारद्वाज, धर्मवीर (लिफाफा बंद), हेमराज वैष्णव, पवन डउकिया, ताराचंद शर्मा, महेश शर्मा, तरसेम सिंह, मोहम्मद आरिफ खान, ओम प्रकाश शर्मा, बीना मीणा, कालूराम मीणा तथा भगवान सहाय मीणा को पदोन्नत किया गया है। लोकोज्वल सिंह तथा सुगर सिंह को गत माह गैलेंट्री पदोन्नति दी गई थी। पहली बार एक साथ 7 महिला अधिकारी जेलर पद के लिए पदोन्नत हुई हैं।

'आई लव मोहम्मद' विवाद राजनीतिक पार्टियों द्वारा रचा गया षड्यंत्र : बाबा बालक नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। उत्तर प्रदेश में 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर-बैनर को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक बाबा बालक नाथ ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने इसे विरोधी पार्टियों का षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने कहा, विरोधी पार्टियां देश की अखंडता को खंडित कर अराजकता फैलाने का कोशिश कर रही हैं। केंद्र और राज्य सरकार आपराधिक छवि के लोगों को उनकी ही भाषा में समझाने में सक्षम है। ये लोग देश की प्रगति में बाधक हैं, लेकिन देश आगे बढ़ चुका है। देश की जनता पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मिली धमकी के सवाल पर बाबा बालक नाथ ने कहा कि कई लोग सुर्खियों में बनने के लिए इस तरह के कॉल कर देते हैं। लेह-लद्दाख में हुए घटनाक्रम के बाद सोनम वांगचुक को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद कई नेता उनके पक्ष में आ रहे हैं। इस पर भाजपा के विधायक ने कहा कि देश में सबसे बड़ा कानून है। सब कानून के दायरे में ही होना चाहिए। ऐसा न करने वाले सामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया जाता है। कानून के उल्लंघन के बाद ही वांगचुक की गिरफ्तारी हुई है।

उन्होंने विदेशी फंडिंग के सवाल पर कहा कि देश में कहीं ऐसे कई अपराधी पकड़े जाते हैं और जेल की सलाखों में डाल भी जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो देशभक्त हैं लेकिन विदेशी ताकत से फंडिंग लेते हैं और देश में गलत कर देते हैं। भाजपा विधायक बाबा बालक नाथ ने राजस्थान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ झूठ का ढोल पीटता है। विपक्ष तो यही चाहता है कि सरकार की नीतियां और योजनाएं धरातल पर न आएं। सरकार पिछले दो वर्षों से लगातार युवाओं, किसानों और आमजन के लिए नई योजनाएं ला रही है और जनता तक उनका लाभ पहुंचाया जा रहा है।

सिंधी भाषा बचेगी तो ही संस्कृति की रक्षा हो पाएगी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भाषा ही संस्कृति की रीढ़ होती है। इसे संजोकर ही संस्कृति बचाई जा सकती है। विभाजन के समय पाकिस्तान के सिंध से आए सिंधीभाषियों को अपनी भाषा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नई पीढ़ी को इस भाषा को आत्मसात करना चाहिए जिससे सिंधी संस्कृति व सभ्यता अपने आप ही जीवित रह जाएगी। देवनानी ने सुखाड़िया रंगमंच सभागार में राजस्थान सिंधी अकादमी और झूलेलाल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में शिरकत की।

अपने उद्बोधन में देवनानी ने कहा कि वे स्वयं सिंधी है और उन्हें सिंधी होने पर गर्व है। सिंधी भाषा विश्व की समृद्ध भाषाओं में से एक है। इसमें 52 वर्ण है जो इसकी समृद्धता को दर्शाते हैं। सिंधी भाषा में विपुल साहित्य रचे जाने की आवश्यकता जताते हुए उन्होने कहा कि सिंधी संस्कृति को बचाने के लिए नई पीढ़ी को इस भाषा को विशेष रूप से अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय सिंध के वासी इस देश में सिर्फ अपनी भाषा और संस्कृति के साथ आए थे। वे जहां भी बसे, अपनी मेहनत के बल पर अलग मुकाम हासिल किया। कार्यक्रम में सिंधी गीत, नृत्य, संगीत, नाट्य मंचन आदि प्रस्तुतियां हुई। समाज की ओर से देवनानी का विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के हरीश राजानी, विजय आहुजा एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने विभाजन का दंश झेला है। देश के बंटवारे के बाद अपना सबकुछ छोड़कर खाली हाथ आने वाले इस समाज पर पाकिस्तान में हुए अत्याचारों, संघर्ष और जिजीविषा को दर्शाने वाली विभाजान विभीषिका गैलेरी अजमेर में बनाई जा रही है। इस गैलेरी में समाज की भाषा, सभ्यता और संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी।

राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मिल रहा मूर्तरूप : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। इसी क्रम में नवरात्र के अवसर पर 29 सितंबर को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही, सांगानेर के क्षेत्रवासियों के साथ भविष्य के विकास कार्यों की योजना पर चर्चा भी की जाएगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर क्षेत्र के लोगों ने मन की बात कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सुना।

दिया कुमारी ने किया ग्रीन फिट मैराथन का फ्लैग ऑफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जीतने की चाह और एक दूसरे से ज्यादा फिट दिखने की होड़ के साथ 5000 से अधिक लोगों ने हेल्दी हार्ट और एन्वॉयरमेंट प्रोटेक्शन सन्देश के साथ मोशन ब्रेन्स की और से आयोजित दूसरी ग्रीन फिट मैराथन में उत्साह के साथ कदमताल की। डिप्टी सीएम, दिया कुमारी ने विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स से ग्रीन फिट मैराथन के 3 किलोमीटर फन रन मैराथन का फ्लैग ऑफ किया। डिप्टी सीएम, दिया कुमारी ने इस अवसर पर फिट इंडिया अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वस्थ तन से स्वस्थ मन और अपने चारों ओर स्वच्छता रख कर एन्वॉयरमेंट प्रोटेक्शन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य और ग्रीन एन्वॉयरमेंट के लिए हम सभी को तेज गति से चलना, दौड़ना और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने मोशन ब्रेन्स के इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर बॉलीवुड सिंगर, रविंद्र उपाध्याय ने सभी प्रतिभागियों को अपने लाइव म्यूजिक परफॉरमेंस से मोटीवेट किया। इसके अलावा प्रेसिडेंट, जयपुर व्यापार महासंघ, सुभाष गोयल; खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट के डॉ. संजय खंडेलवाल; एडिशनल कमिश्नर (साउथ) योगेश दाधीच; रीजनल हेड - केयर इंश्योरेंस, प्रेम पटवा और नितिन हुरकट; जी सी एल ड्रीम्स से रवि सिंघल; फोमिको मैट्रेस से रवि परसरामपुरिया सहित कई गणमान्य लोग इस मैराथन में उपस्थित रहे।

इससे पहले सुबह करीब 3 बजे से ही लोग सन एंड मून कॉम्प्लेक्स पर जुटना शुरू हुए। 5. 30 बजे पहली मैराथन में हजारों लोगों ने लगाई दौड़। ढोल नंगाड़ों और अपनों के मोटिवेशन के बीच युवाओं में फिटनेस के लिए क्रेज नजर आया।

रविवार तड़के हजारों की संख्या में लोगों ने एकत्र होकर मैराथन को सफल बनाया। बढ़ते कदमों का उत्साह देख सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकले लोग भी मैराथन के धावकों की हौसला अफजाई करते नजर आए। अल सुबह जयपुर से शुरू हुई मैराथन में लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा था। ग्रीन फिट मैराथन में 7 साल के हृदय सैनी और 69 वर्ष के अजय आहूजा जैसे बुजुर्ग ने दौड़ लगाकर अपने हम उम्र नौजवानों को फिटनेस और खुश रहने का मंत्र दिया। आपको बता दें मैराथन में 10 और 5 किलोमीटर टाइम्ड रन तथा 3 किलोमीटर फन रन का आयोजन किया गया था। जिसमें टाइम्ड रन के विनर्स को 50,000 रुपए की इनामी राशि दी गई।

हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।''

आधिकारिक बयान के अनुसाार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।'' मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है।

खेत में महिला का कंकाल मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

भरतपुर। सेवर थाना इलाके के घाना जाटोली गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब खेतों के बीच खड़ी फसल के बीच में एक महिला का कंकाल मिला। घटना स्थल पर कपड़े, कुछ हड्डियां और और महिला का सर का कंकाल ,एक चप्पल भी पड़ी मिलीं। यह इलाका नेशनल हाईवे आगरा रोड पर स्थित गुरु हरकिशन स्कूल के पीछे का बताया जा रहा है।

सूचना मिलते ही सेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद सीओ ग्रामीण आकांक्षा सिंह और एडिशनल एसपी शंकर लाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। मौके की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मंती स्व. नन्दलाल मीणा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को प्रतापगढ़ के अंबा माता का खेड़ा में पूर्व मंत्री स्व. नन्दलाल मीणा की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने स्व. नंदलाल मीणा के पुत्र एवं राज्य सरकार में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा व परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी अंचल के सर्वांगीण विकास में पूर्व मंत्री स्व. नंदलाल मीणा का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा और उनके आदर्श सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक, सांसद सी. पी. जोशी सहित जनप्रतिनिधि, परिजन एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पाली में ग्राम पंचायत अधिकारी डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। एसीबी मुख्यालय के निर्देशन में एसीबी पाली द्वितीय इकाई ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाली जिले की जैतपुरा ग्राम पंचायत के प्रशासक अरूण कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम के रूप में की गई है और मामले की आगे की जांच जारी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी पाली द्वितीय को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से उसके रहवासीय मकान का पट्टा बनाने की ऐवज में अरूण कुमार, प्रशासक ग्राम पंचायत जाणुदा पंचायत समिति मारवाड जंक्शन जिला पाली द्वारा 2,70,000 रुपए (दो लाख सत्तर हजार रूपये) रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

इस पर भूवन भूषण यादव उप महानिरीक्षक पुलिस एसीबी रेंज जोधपुर के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पाली द्वितीय के प्रभारी खींव सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं टीम के द्वारा रिश्वत राशि मांग सत्यापन करवाया जाकर रविवार को दिनांक 28.09.2025 को ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी अरूण कुमार, प्रशासक ग्राम पंचायत जाणुदा, को कुल रिश्वत राशि मांग के 2,70,000 रुपए में से प्रथम किश्त के रूप में रिश्वत राशि 1,50,000 (एक लाख रुपए भारतीय मुद्रा तथा 50 हजार डमी नोट) लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रेन्ज, जोधपुर के भुवन भूषण यादव उप महानिरीक्षक के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा अग्रिम कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा। जानकारी के अनुसार, अरूण कुमार, जो ग्राम पंचायत जाणुदा पंचायत समिति मारवाड़ जंक्शन में पदस्थ हैं, कुल 2,70,000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है और जब ऐसा होगा तो दुनिया के हर कोने में लोग इस त्योहार की भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे।

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने यह भी बताया कि कुछ समय पहले सरकार के इसी तरह के प्रयासों के कारण कोलकाता की दुर्गा पूजा भी यूनेस्को की सूची का हिस्सा बन गई थी। उन्होंने कहा, हमारे त्योहार और उत्सव भारत की संस्कृति को जीवित रखते हैं। छठ पूजा दिवाली के बाद आने वाला एक पवित्र त्योहार है। सूर्य देव को समर्पित यह भव्य त्योहार बहुत खास है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं और उसकी पूजा करते हैं। छठ न केवल देश के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाता है, बल्कि इसकी भव्यता पूरी दुनिया में देखी जाती है। अब यह एक वैश्विक त्योहार बनता जा रहा है।

मोदी ने कहा, मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि भारत सरकार भी छठ पूजा से जुड़े एक बड़े प्रयास में लगी हुई है। भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जब छठ पूजा को यूनेस्को की सूची में शामिल किया जाएगा तो दुनिया के हर कोने में लोग इसकी भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे। मोदी ने कहा, कुछ समय पहले, भारत सरकार के ऐसे ही प्रयासों के कारण, कोलकाता की दुर्गा पूजा भी यूनेस्को की इस सूची का हिस्सा बन गई। अगर हम अपने सांस्कृतिक आयोजनों को ऐसी वैश्विक मान्यता देंगे, तो दुनिया भी उनके बारे में जानेगी, उन्हें समझेगी और उनमें भाग लेने के लिए आगे आएगी। दिवाली के कुछ दिन बाद छठ मनाया जाता है।

इस त्योहार के दौरान, श्रद्धालु डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं और अपने परिवार और बच्चों के लिए आशीर्वाद और समृद्धि की कामना करते हैं। यह बिहार के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है।

लद्दाख के लोगों, संस्कृति पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों, संस्कृति और परंपराओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस द्वारा हमला किया जा रहा है। उन्होंने लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की भी वकालत की।

गांधी की यह टिप्पणी लेह में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गये थे और कई अन्य घायल हो गये। तब से, दंगों में संलिप्तता के आरोप में 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया है और राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लद्दाख के अद्भुत लोगों, संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हमला कर रहे हैं।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''लद्दाख के लोगों ने आवाज उठाई। भाजपा ने चार युवकों की जान लेकर और सोनम वांगचुक को जेल में डालकर जवाब दिया। हत्या बंद करो। हिंसा बंद करो। धमकी देना बंद करो।'' उन्होंने कहा, ''लद्दाख को आवाज दीजिए। उन्हें छठी अनुसूची दीजिए।'' अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लगा रहा और उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने के बारे में फैसला करने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करेंगे। राज्य का दर्जा देने और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) द्वारा आहूत बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। शनिवार को लेह में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील दी गई थी।

भाजपा सरकार ने उप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को किया 'चौपट' : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को 'चौपट' करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि सरकार राजधानी लखनऊ के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

यादव ने बयान में आरोप लगाया, ''भाजपा सरकार ने पूरी व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। गुणवत्तापूर्ण इलाज के अभाव में मरीज निजी अस्पतालों में जाने पर मजबूर है। भाजपा सरकार जानबूझकर सरकारी सेवाओं को खराब कर रही है। भाजपा की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अन्तर है। भाजपा सत्ता से हटेगी तभी स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट कर दिया है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त दवा, इलाज नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार राजधानी के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं नहीं उपलब्ध करा पा रही है। सरकारी अस्पतालों से लोगों का भरोसा उठ रहा है। बड़े संस्थानों पीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में भी वेंटीलेटर और बेड मिलना मुश्किल है। प्रदेश के ज्यादातर अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में स्थायी विशेषज्ञ डॉक्टर, महिला डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मियों की कमी है। सरकार लगातार 'सरप्लस' बजट का दावा कर रही है लेकिन स्वास्थ्य विभाग से लेकर अन्य विभागों में स्थायी भर्ती और जरूरी सुविधाएं नहीं दे रही है। मरीजों की संख्या हर दिन बढ़ रही है लेकिन सुविधाएं नहीं।''

बहुत दुख हुआ, लोगों को भीड़ में भावनाओं पर काबू रखना चाहिए : राधाकृष्णन

पटना/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने तमिलनाडु में हुई भगदड़ की घटना पर रविवार को गहरा दुख व्यक्त किया, जिसमें कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने नागरिकों से आग्रह किया कि जब बड़ी भीड़ हो तो वे अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

राधाकृष्णन यहां उन्मेष अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हादसे पर दुख व्यक्त करने के लिए कार्यक्रम की शुरुआत में कुछ पल का मौन रखा गया।

भारत-अमेरिका संबंध नई दिल्ली-मॉस्को के बीच संबंधों के लिए मापदंड नहीं : लावरोव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि मॉस्को, भारत के राष्ट्रीय हितों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनाई जा रही स्वतंत्र विदेश नीति का पूरा सम्मान करता है। लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश के साथ नई दिल्ली के संबंध भारत-रूस संबंधों के लिए मानक नहीं हो सकते।

उच्च-स्तरीय आम चर्चा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के संबोधन से कुछ समय पहले लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच ''विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी'' है। उन्होंने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश के साथ नई दिल्ली की स्थितियों को वह भारत और रूस के बीच संबंधों का मानदंड नहीं

मान सकते। लावरोव से पूछा गया था कि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों पर रूसी तेल की खरीद कम करने के दबाव के बावजूद भारत वहां से तेल का आयात जारी रखे हुए है, इस परिप्रेक्ष्य में मॉस्को, नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को किस प्रकार देखता है। लावरोव ने कहा, ''हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं और (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी द्वारा इन राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जा रही विदेश नीति का भी पूरा सम्मान करते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत और रूस नियमित रूप से उच्च-स्तरीय संपर्क बनाए हुए हैं।

लावरोव ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई हालिया मुलाकात का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में नई दिल्ली जाने की उम्मीद है। रूसी नेता ने कहा, ''व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, मानवीय मामले, स्वास्थ्य सेवा, उच्च तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में हमारा बहुत व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा है, जबकि एससीओ, ब्रिक्स (दुनिया की पांच अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह) के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय एवं द्विपक्षीय स्तर पर हमारे बीच करीबी समन्वय है।'' लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर जयशंकर से मुलाकात कर द्विपक्षीय चर्चा की थी और ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश/अंतरराष्ट्रीय मामलों के मंत्रियों की वार्षिक बैठक में भी भाग लिया था। इस बैठक की अध्यक्षता 2026 के लिए ब्रिक्स के आगामी अध्यक्ष के रूप में भारत ने की।

बाल विवाह में कमी के मामले में असम राष्ट्रीय औसत से आगे निकला : रिपोर्ट

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाल विवाह की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह जानकारी एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा पांच राज्यों में किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार है। अप्रैल 2022 से मार्च 2025 की अवधि पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि बाल विवाह को समाप्त करने में पुलिस शिकायत और गिरफ्तारियों सहित कानूनी निवारण को सबसे प्रभावी उपकरणों में से एक माना गया है।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि बाल विवाह के खिलाफ सरकार के सख्त रुख के परिणाम सामने आ रहे हैं, जैसा कि सर्वेक्षण के निष्कर्षों से स्पष्ट है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बाल विवाह के खिलाफ असम की अथक लड़ाई फलदायी साबित हो रही है, क्योंकि यहां अन्य राज्यों के मुकाबले बाल विवाह में सबसे अधिक गिरावट आई है। मुख्यमंत्री ने कहा, नवरात्रि पर जब हम मां दुर्गा की दिव्य शक्ति का उत्सव मना रहे हैं, हम अपनी बेटियों के भविष्य की रक्षा और पोषण के लिए प्रतिबद्ध हैं। आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां करते हैं!

'टिपिंग प्वाइंट टू जीरो: एविडेंस टुवर्ड्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' नामक रिपोर्ट को हाल ही में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक कार्यक्रम में जारी किया गया। इसे 'सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज फॉर चिल्ड्रन' (सी-एलएबी) द्वारा तैयार किया गया है। यह एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (जेआरसी) के सहयोगी 'इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन' की एक पहल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि असम बाल विवाह में सबसे अधिक गिरावट के साथ देश में अग्रणी है, जहां पिछले तीन वर्षों में लड़कियों के बाल विवाह के मामलों में 84 प्रतिशत और लड़कों में 91 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर लड़कियों में बाल विवाह में 69 प्रतिशत और लड़कों में 72 प्रतिशत की कमी आई है। जिन पांच राज्यों में सर्वेक्षण किया गया उनमें लड़कियों के बीच बाल विवाह में कमी के मामले में असम के बाद महाराष्ट्र और बिहार (70 प्रतिशत प्रत्येक), राजस्थान (66 प्रतिशत) और कर्नाटक (55 प्रतिशत) का स्थान है।

राज्य की सफलता को मान्यता देते हुए जेआरसी ने शर्मा के लिए 'चैंपियंस ऑफ चेंज' पुरस्कार की भी घोषणा की। जेआरसी, बाल संरक्षण के लिए काम करने वाले सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है, जिसमें 250 से अधिक एनजीओ शामिल हैं और अकेले असम में इसके आठ एनजीओ साझेदार राज्य के 35 जिलों में से 30 में काम कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में 21 की उम्र के बाद शादी पर जोर दे रही हैं लड़कियां, आत्मनिर्भरता को तरजीहः सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में शादी के प्रति लड़कियों के सामाजिक दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है। वर्ष 2020 में जहां 56 प्रतिशत लड़कियां 21 की उम्र के बाद अपना घर बसाती थीं तो केंद्र सरकार के एक ताजा आंकड़े में यह प्रतिशत बढ़ कर 62.5 पर पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का मानना है यह बदलाव संभवतः इसलिए प्रतीत हो रहा है क्योंकि लड़कियां विवाह से अधिक पढ़ाई और करियर को तरजीह दे रही हैं और कहीं न कहीं सरकार की योजनाएं उन्हें इसमें संबल प्रदान कर रही हैं। केंद्र सरकार के नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस)-2023 के इस सर्वेक्षण का एक पहलू यह भी सामने आया है कि 18 वर्ष के भीतर लड़कियों की शादी की दर में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा आयोजित एसआरएस एक बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण है, जो आयु, लैंगिक और वैवाहिक आधार पर जनसंख्या से संबंधित आंकड़े एकत्रित करता है। हाल में जारी एसआरएस-2023 के मुताबिक मध्यप्रदेश में 62.5 फीसदी लड़कियां 21 साल के बाद शादी को तरजीह दे रही हैं। हालांकि, इन आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की लड़कियों में शादी के प्रति रुख को लेकर काफी अंतर है। आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की 57.5 प्रतिशत लड़कियां ही 21 की उम्र के बाद विवाह कर रही हैं जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 80.2 प्रतिशत है। इक्कीस की उम्र के बाद लड़कियों की शादी का राष्ट्रीय औसत 72.2 प्रतिशत है और मध्यप्रदेश इससे पीछे है। हालांकि, एसआरएस-2020 के आंकड़ों पर गौर करें तो मध्यप्रदेश की स्थिति में सुधार आया है। वर्ष 2020 के आंकड़ों के मुताबिक 56.2 प्रतिशत लड़कियां 21 की उम्र के बाद शादी करती थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 52.1 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 69.8 प्रतिशत था।

इन आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में शादी की उम्र को लेकर बड़ा बदलाव आया है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सुधार की बहुत गुंजाइश है। एसआरएस-2023 में जहां 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों का प्रतिशत 2.0 है, वहीं 2020 की रिपोर्ट में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था। इन आंकड़ों के मुताबिक 18 से 20 वर्ष की उम्र में लड़कियों की शादी का प्रतिशत 2020 में 41.7 प्रतिशत था जो 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 35.6 पहुंच गया। विशेषज्ञ बताते हैं कि लड़कियों में 21 के बाद शादी का बढ़ रहा रुझान दर्शाता है कि लड़कियां शिक्षित हो रही हैं और रोजगार हासिल कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। मध्यप्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग की पूर्व उपसंचालक मंजुला तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''लड़कियों की सोच ही नहीं बल्कि परिजनों और समाज की सोच में भी बदलाव आया है। लोग लड़कियों की शिक्षा और कौशल विकास पर जोर दे रहे हैं। लड़कियां भी शादी से पहले खुद को आत्मनिर्भर बनाना चाह रही हैं।'' उन्होंने कहा कि इसी वजह से यह बदलाव आया है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि परिवार हो या व्यक्तिगत सोच, लड़कियां पहले अपने पैरों पर खड़े होने को प्रमुखता दे रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही राज्य सरकार की लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजनाएं उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित कर रही हैं और बाल विवाह को रोकने में सकारात्मक साबित हो रही हैं। प्रदेश में बाल विवाह न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना पर बल दिया है। इस योजना में प्रारंभ से ही यह प्रावधान है कि बालिका की आयु 21 वर्ष होने पर दिए जाने वाली एकमुश्त राशि का लाभ उस स्थिति में देय होगा, जब बालिका का विवाह 18 वर्ष से पहले न हुआ हो। उन्होंने कहा, ''इसलिए लड़कियां अब शिक्षा पर जोर दे रही हैं, नौकरी को प्राथमिकता दे रही हैं और फिर आत्मनिर्भर होकर आगे अपना भविष्य गढ़ रही हैं।''

हालांकि, तिवारी ने कहा कि लड़कियों की सोच में हो रहे इस बदलाव के पीछे यदि सरकार की नीतियां वजह होतीं तो फिर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आंकड़ों के बीच अंतर नहीं होता। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से अधिक बढ़ते सामाजिक मूल्यों का इसमें अहम योगदान है।

कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता अपराजिता पांडे ने भी कहा कि यह लड़कियों के साथ ही सामाजिक दृष्टिकोण में आ रहे बदलाव का नतीजा है। उन्होंने कहा, ''अच्छी शिक्षा हासिल करने और अपना कौशल विकास कर लड़कियां स्वयं को मजबूत करना चाहती हैं। वे अपनी विशिष्ट पहचान के साथ खुद को स्वतंत्र बनाने पर जोर दे रही हैं।''

संवाद के जरिये मतभेदों को दूर करने का रास्ता है मध्यस्थता : गवई

भुवनेश्वर/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा कि मध्यस्थता और मुक्त संवाद मतभेदों को बातचीत के जरिये दूर करने, तनाव को सौहार्द में बदलने और पक्षों के बीच सद्भाव बहाल करने के रास्ते हैं।

भुवनेश्वर में शनिवार को हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सदियों से विभिन्न समाजों में मध्यस्थता की प्रथा चली आ रही है और मध्यस्थता अधिनियम, 2023 के बनने के बाद इसे कानूनी मान्यता मिली है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारी शांति तभी भंग होती है जब हम झगड़े या असहमति को सुनने, समझने और उसे सुलझाने की ईमानदारी से कोशिश करने से इनकार कर देते हैं। संघर्ष को अगर रचनात्मक तरीके से निपटाया जाए तो वह आगे बढ़ने का अवसर बन सकता है।'' अधिनियम न्याय को सहभागितापूर्ण, समान और सुलभ बनाता है, साथ ही अदालतों में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को भी कम करने में मदद करता है। राज्यपाल हरिबाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण मझी, ओडिशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हरीश कुमार टंडन और उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में उपस्थित थे।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल, कहा- सरकार बताए कहां से आएगी इनके लिए राशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार की बजट तथा हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को ''गुमराह'' कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, ''पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपए से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''बिहार का कुल बजट लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें से करीब दो लाख करोड़ रुपए वेतन, पेंशन और ब्याज जैसे प्रतिबद्ध मद में ही खर्च हो जाते हैं। इससे सरकार के पास योजनाओं और विकास कार्यों के लिए केवल लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए बचते हैं। ऐसे में ये घोषणाएं केवल जनता को भ्रमित करने और चुनावी माहौल बनाने का तरीका हैं।'' नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया, ''आखिर राज्य का राजस्व कैसे बढ़ेगा, राशि कहां से आएगी और घोषणाएं धरातल पर कब पूरी होंगी।'' तेजस्वी ने महिलाओं को 10 हजार रुपए की राशि देने की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसा कि नीतीश कुमार ''एक रुपया देकर बिहार का वर्तमान और भविष्य खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस बार जनता उन्हें हटाएगी भी और हराएगी भी।''

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया, ''राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपए बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें (मुख्यमंत्री को) जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए।''

नीतीश कुमार पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, ''पहले हम उन्हें 'भीष्म पितामह' मानते थे, लेकिन अब वह भ्रष्टाचार के 'धृतराष्ट्र' बन चुके हैं।''

दुबई में क्रिकेट उत्सवः प्रशंसकों के लिए 'भारत बनाम पाकिस्तान' फाइनल जंग नहीं, बल्कि त्योहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और इसके आसपास का माहौल रविवार शाम को उत्सव में तब्दील हो गया जहां 'भारत बनाम पाकिस्तान' एशिया कप फाइनल मैच शुरू होने से कई घंटे पहले ही भारत और पाकिस्तान के प्रशंसक कतारों में लग गए।

खेल प्रशंसकों के हंसी-मजाक, गानों और चीयर से माहौल आनंददायक बन गया जिससे एक बार फिर क्रिकेट मुकाबला खुशनुमा लगने लगा। महाराष्ट्र से आए प्रशंसकों के एक समूह ने बॉलीवुड तर्ज पर नारे लगाते हुए कहा, ''दो रुपैया का च्यूइंग गम, सूर्या भाऊ सिंघम।''

इसी कतार में खड़े पाकिस्तान के कुछ समर्थक इस पर मुस्कुराए बिना नहीं रह सके और शायद याद दिला रहे थे कि क्रिकेट अब भी मजेदार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर 'स्पोर्ट्स सिटी' की सड़कों पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे गूंज रहे थे। छोटे बच्चे रोहन के लिए यह सपने जैसा था जो भारत बनाम पाकिस्तान मैच देखने के लिए अपने पिता के साथ अबुधाबी से डेढ़ घंटे की यात्रा करके आया था। बड़े साइज की भारतीय जर्सी पहने इस बच्चे ने कहा, ''जसप्रीत बुमराह उन्हें आउट कर देंगे।''

शारजाह में रहने वाले अफजल और आमिर दोनों भाई भी मैच की भावनाओं से ओतप्रोत थे, आमिर ने 1980 और 1990 दशक की याद करते हुए कहा, ''पापा हमें शारजाह में पाकिस्तान के दबदबे के बारे में बताया करते थे जब भारत नहीं जीत पाता था।'' दोनों टूर्नामेंट में पाकिस्तान को मिली दो हार से दोनों निराश थे। अफजल ने कहा, ''अगर हम फिर हार गए तो दुख होगा। लेकिन कल सोमवार है और हफ्ते शुरू होने से पेशेवर जिम्मेदारियां शुरू हो जाएंगी।'' शायद दुबई में प्रवासी लोगों का यही मिजाज है। बीते जमाने के तनावपूर्ण माहौल के विपरीत घर से दूर रहने वाले प्रवासियों के लिए लिए भारत-पाकिस्तान मुकाबले का टिकट हासिल करना किसी उत्सव का टिकट बुक करने जैसा है। यह जोश से भरे माहौल, हंसी मजाक और क्रिकेट के रोमांच के बारे में है। उन्हें इसकी परवाह नहीं कि खिलाड़ी हाथ मिलाते हैं या नहीं, एक-दूसरे से नजरें मिलाते हैं या नहीं। भारतीय प्रशंसक चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा स्टेडियम में छक्कों की बरसात करे तो पाकिस्तान के प्रशंसकों को उम्मीद है कि शाहीन शाह अफरीदी सटीक यॉर्कर फेंकेंगे। पर सवाल अब भी बरकरार है। अगर खेल प्रेमी खेल से राजनीति को अलग कर सकते हैं, इसे जंग के बजाय एक खेल मुकाबला मान सकते हैं तो क्या अब समय नहीं आ गया है कि हितधारक भी ऐसा ही करें?

सुविचार

जब आप खुद को सकारात्मकता से घेरते हैं, तो जीवन भी सकारात्मक हो जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हर भारतवासी ले यह संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बनाने का किया गया आह्वान हर भारतवासी का संकल्प होना चाहिए। नवरात्र, दशहरा, करवा चौथ, धनतेरस, दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा पर स्वदेशी चीजों की बिक्री को बढ़ावा मिलना चाहिए। देश की अर्थव्यवस्था स्वदेशी से ही मजबूत बनेगी। यह संकल्प सिर्फ दीपावली तक सीमित न रहे। क्रिसमस, नया साल, मकर संक्रांति, होली ... हर पर्व और विशेष अवसर पर देश के उद्योगों को नई शक्ति मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री के ये शब्द कि 'ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे', भारत को आत्मनिर्भर बनाने का ऐसा सूत्र है, जिस पर गंभीरता से काम किया जाए तो एक साल में ही बहुत अच्छे नतीजे दिखाई दे सकते हैं। महात्मा गांधी ने भी स्वदेशी पर बहुत जोर दिया था। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने इस कार्य में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई थी। अगर आज भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होता तो न इतनी बेरोजगारी होती और न ही विदेशी ताकतें हम पर दबाव डालने के लिए कोई दुस्साहस दिखा पातीं। प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों लगभग हर मंच से स्वदेशी को बढ़ावा देने की बात कह रहे हैं। यह सराहनीय है। उन्हें अपनी टीम और भाजपा के सभी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से भी यह आग्रह करना चाहिए कि वे अपने जीवन में, जहां तक संभव हो, स्वदेशी चीजों का ही इस्तेमाल करें। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, जो भी चीजें काम में लें, वे अनिवार्यत: स्वदेशी हों। इसका संदेश बहुत दूर तक जाएगा और उसका असर भी ज्यादा होगा।

त्योहारों का स्वागत करने के लिए घर की सफाई जरूरी होती है। अभी देश के घर-घर में 'स्वच्छता अभियान' चल रहा है। हमें इसका विस्तार गली, मोहल्ले, गांव / शहर तक करना चाहिए। प्राय: लोग घरों की सफाई को तो प्राथमिकता देते हैं, लेकिन उनसे आगे सफाई व्यवस्था को सरकार की जिम्मेदारी मान लेते हैं। देश को साफ-सुथरा रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए किसी खास दिन का इंतजार नहीं करना चाहिए। चूंकि त्योहारों पर घरों की सफाई और सुंदरता की ओर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, इसलिए पूरे देश को अपना घर मानते हुए उसे हर तरह से सुंदर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। यह उसी स्थिति में संभव है, जब सफाई अच्छी हो। जहां गंदगी के ढेर लगे हों, लोग सड़कों पर थूकते हों, जहां मर्जी हो वहां कूड़ा फेंकते हों, उस जगह कोई सजावट काम नहीं करेगी। जापान, सिंगापुर, जर्मनी, स्विटजरलैंड, नॉर्वे, दक्षिण कोरिया जैसे देशों को इतना साफ-सुथरा बनाने में वहां के नागरिकों का सबसे बड़ा योगदान है। जब लोग गंदगी फैलाना बंद कर देते हैं तो देश सफाई की ओर पहला कदम बढ़ा देता है। हम भी अपने देश को सफाई में अव्वल बना सकते हैं। यह कोई असंभव काम नहीं है। इसके लिए स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। 'यह देश हमारा है ... इसे साफ और सुंदर बनाना हमारा कर्तव्य है ... हम यहां गंदगी नहीं फैलाएंगे', इस भावना को आगे बढ़ाने की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षों में लोग बहुत जागरूक हुए हैं। सार्वजनिक स्थान पहले से ज्यादा साफ दिखाई देने लगे हैं। अगर देश में सफाई की स्थिति बेहतर होगी तो पर्यटन को बहुत बढ़ावा मिलेगा। वहीं, कई बीमारियां, जो गंदगी के कारण पैदा होती हैं, की रोकथाम में मदद मिलेगी। आत्मनिर्भर और स्वच्छ भारत ही अधिक सुरक्षित, सशक्त एवं सुखी भारत बन सकता है।

ट्वीटर टॉक

उत्तर-पूर्व ट्रेन से जुड़ा, रेलवे से जुड़ा, वाटरवेज से जुड़ा... साथ ही साथ आज दिल्ली और नॉर्थ-ईस्ट के बीच में दिलों की दूरी भी दूर करने का काम हमारी सरकार ने किया। आज नॉर्थ-ईस्ट विकास और शांति के राह पर बढ़ रहा है।

-अमित शाह

आज जयपुर के अजमेर-सीकर रोड के इलाके में कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, धावास, वैशाली नगर इलाके की तरफ जाना हुआ। इन इलाकों में सड़कों की भयंकर दुर्गति है। यहां कई जगहों पर स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश में इस इलाके में स्थिति बेहद खराब हो गई।

-अशोक गहलोत

विश्व पर्यटन दिवस के सुअवसर पर आज दौसा जिले के ऐतिहासिक धरोहर स्थल चांद बावड़ी में आयोजित राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक कला और परंपराओं से परिपूर्ण 'आभानेरी महोत्सव 2025' में सम्मिलित होकर अत्यंत गर्व और आनंद की अनुभूति हुई।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मोह से मुक्त न्याय

माघ की कड़कड़ाती ठंड थी। काशी नरेश की रानी 'करुणा' दासियों के साथ वरुणा नदी में नहाने गई थी। नहाते ही रानी ठंड से कांपने लगी। आस-पास सूखी लकड़ियां नहीं थीं। नदी के निकट कुछ झोपड़ियां थीं, जिनमें साधु-संत या दीन-दुखी लोग ठहरते थे। उस समय वे खाली थीं। रानी ने दासी से कहा, 'इनमें से एक झोपड़ी में आग लगा दो। ठंड के मारे मेरा बुरा हाल हो रहा है।' दासी ने आग लगा दी, लेकिन तेज हवा के कारण आग एक झोपड़ी तक सीमित नहीं रही। देखते-देखते सभी झोपड़ियां जल गईं। रानी के राजभवन पहुंचने पर वे सभी लोग भी राजदरबार पहुंचे, जिनकी झोपड़ियां जली थीं। राजा ने यह बात सुनकर अन्त:पुर में जाकर रानी से कहा, 'तुमने यह क्या किया? लोगों के घर क्यों जला दिए?' रानी ने कहा, 'उन घास-फूस के छप्परों को क्या आप घर कहते हैं? वे जल गए तो अच्छा ही हुआ।' यह सुनकर महाराज ने दासी को आदेश दिया, 'रानी के वस्त्र और आभूषण उतारकर उन्हें फटे-पुराने वस्त्र पहनाकर राजसभा में प्रस्तुत करो।' तत्पश्चात न्यायासन पर बैठकर राजा ने रानी को संबोधित करते हुए कहा, 'रानी जी! आपको राजभवन से निष्कासित किया जाता है।

सामयिक

नवरात्रि : जहां नारी का सम्मान, वहीं समाज का उत्थान

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

नवरात्रि पर्व का भारतीय संस्कृति में बहुत बड़ा महत्व है। नवरात्रि के दौरान देवी दुर्गा के नौ रूपों (मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री) की आराधना की जाती है। मां शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं, जो शक्ति और भक्ति की प्रतीक हैं, मां ब्रह्मचारिणी तपस्या और साधना का स्वरूप है, मां चंद्रघंटा शांति और सौम्यता की देवी हैं, मां कुष्मांडा सृष्टि की रचनाकार हैं, मां स्कंदमाता करुणा और वात्सल्य की मूर्ति हैं, मां कात्यायनी शक्ति और विजय की देवी हैं, मां कालरात्रि काली रूप हैं, जो अंधकार का नाश करती हैं, मां महागौरी पवित्रता और शांति की देवी हैं तथा मां सिद्धिदात्री सभी सिद्धियों को प्रदान करने वाली देवी हैं। नवरात्रि पर्व भारत की गौरवमयी संस्कृति में सही मायनों में नारी शक्ति के आदर-सम्मान का उत्सव है। यह उत्सव नारी को उसके स्वाभिमान और शक्ति का स्मरण कराता है, साथ ही समाज को नारी शक्ति का सम्मान करने के लिए प्रेरित भी करता है।

भारतीय संस्कृति में नारी को विशेष सम्मान प्राप्त रहा है। सनातन धर्म में मां दुर्गा को जगत का पालन करने वाली, विश्व कल्याण की प्रणेता और दुष्टों का संहार करने वाली अधिष्ठात्री देवी माना गया है। एक ओर जहां नवरात्रि पर्व के दौरान देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग नारी रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है, वहीं विद्या एवं बुद्धि की देवी भी नारी स्वरूपा देवी सरस्वती हैं। इसी प्रकार धन की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी भी नारी स्वरूपा ही हैं। हमारे सभी पौराणिक ग्रंथों में नारी को देवी शक्ति के रूप में पूजनीय माना गया है और सभी शास्त्रों तथा धर्म ग्रंथों में नारी के सामाजिक महत्व को स्वीकारते हुए कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता' अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहीं देवताओं का वास होता है। नारी के प्रति पुराणों में इतना आदर-सम्मान यूं ही नहीं व्यक्त किया गया, दरअसल वह नारी शक्ति ही है, जो घनघोर अंधकार में भी अपनी मुस्कान बिखेरकर उजाला करती है।

नारी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गुरु नानक ने कहा था कि नारी, जो राजाओं की भी जननी है, उसका सम्मान होना चाहिए। इसी प्रकार प्रसिद्ध विचारक हेरिएट बीचर स्टोव ने कहा था कि महिलाएं समाज की वास्तविक शिल्पकार होती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में हम मातृ शक्ति के नौ रूपों का पूजन करते हैं, उनका स्मरण करते हैं, कन्याओं को भोजन पर आमंत्रित कर उनकी पूजा करते हैं, चरण धोकर उनका स्वागत करते हैं और तिलक के पश्चात दक्षिणा तथा उपहार देकर विदा करने की सदियों पुरानी परम्परा का निर्वहन करते हैं लेकिन साल के बाकी दिन यही नारी शक्ति सम्मान पाने के लिए विभिन्न मोर्चों पर संघर्ष करती दिखती है। पुराणों तथा धार्मिक ग्रंथों में भले ही नारी को देवी का दर्जा दिया गया है किन्तु हमारे समाज में नारी की स्थिति प्राचीन काल से ही अच्छी नहीं रही। घर हो या बाहर, उसे हर कहीं किसी न किसी रूप में शोषण का शिकार होना पड़ता है। हालांकि भारतीय इतिहास नारी की वीरगाथाओं से भरा पड़ा है। आज भी हम माता सीता, सती सावित्री, तारा, कुंती, गार्गी, रानी लक्ष्मीबाई जैसी अनेक महान और विदुषी नारियों के व्यक्तित्व, त्याग और साहस की गाथाओं से प्रेरणा लेते हैं।

नारी को शक्ति की उपासक, घर की आत्मा और प्राण माना गया है। ईश्वर ने नारी को एक जननी के रूप में सम्मान देकर धरती पर भेजा है। नारी के मां के रूप को तो ममता की मूरत कहा गया है। एक मां ही अपने बच्चे के लालन-पालन और उसके अस्तित्व निर्माण के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान दे देती है और अपनी संतान में संस्कारों का बीजारोपण करते हुए उसमें दया, करुणा, प्रेम इत्यादि गुणों को जन्म देती है। बेटी, बहन, कुलवधू, पत्नी और मां जैसे अलग-अलग रूपों में नारी सही मायनों में एक परिवार की आन-बान और शान होती है। एक गुणवान बेटी के रूप में वह अपने माता-पिता का नाम रोशन करती है तो शादी के बाद अपना घर छोड़कर वह जिस दूसरे घर में जाती है, वहां भी त्याग और बलिदान की मूर्ति बनकर सबका दिल जीतने की कोशिश करती है और उस घर को स्वर्ग बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। जिस घर-आंगन में चलना सीखकर, खेल-कूदकर वह बड़ी हुई, उसी को छोड़कर वह एक दिन एक ऐसे व्यक्ति पर विश्वास करते हुए उसे अपने जीवन की बागडोर सौंप देती है, जिसे वह जानती तक नहीं थी।

किसी भी देश का भविष्य नारी पर ही टिका होता है क्योंकि एक मां जिस प्रकार अपने बच्चों का पालन-पोषण करती हैं, उन्हें संस्कारवान बनाती है और फिर वही बच्चे देश के कर्णधार बनते हैं, ऐसे में समझा जा सकता है कि एक नारी की भूमिका राष्ट्र निर्माण में कितनी महत्वपूर्ण है। संतोषजनक स्थिति यह है कि धीरे-धीरे ही सही, लगभग हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है। यदि कहा जाए कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। घर-परिवार से लेकर बाहर तक की जिम्मेदारी आज महिलाएं बखूबी निभा रही हैं। साक्षरता के मामले में भले ही महिलाओं की स्थिति अभी पुरुषों के मुकाबले कम है लेकिन दूसरी ओर देखें तो विभिन्न परीक्षाओं में लड़कियां आज लड़कों से आगे निकलती दिखाई देती हैं।

चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, उच्च प्रौद्योगिकी से संबंधित सभी क्षेत्रों में महिलाएं आज नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। व्यापार, अंतरिक्ष, खेल, राजनीति इत्यादि क्षेत्रों में भी वे नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। न केवल सिविल सेवाओं बल्कि पुलिस बल तथा सैन्य सेवाओं में भी सक्षम अधिकारी के रूप में उनका दबदबा निरन्तर बढ़ रहा है।

सुरों की साम्राज्ञी लता मंगेशकर को साक्षात मां सरस्वती का दर्जा दिया जाता रहा। किरण बेदी, पीटी उषा, कल्पना चावला इत्यादि अनेक भारतीय महिलाओं ने अपनी उपलब्धियों से तमाम भारतीयों को न केवल गौरवान्वित किया बल्कि यह भी साबित किया कि महिलाएं आज के जमाने में किसी से कम नहीं हैं। वर्ष 2016 में तीन जांबाज महिलाओं, बिहार के बेगूसराय की भावना कंठ, मध्य प्रदेश के रीवा की अवनी चतुर्वेदी तथा वडोदरा की मोहना सिंह ने पहली बार वायुसेना में फाइटर प्लेन पायलट का दायित्व संभालकर यह स्पष्ट संदेश दिया था कि भले ही महिलाओं के प्रति समाज की मानसिकता जो भी हो पर महिलाएं आज देश के नभ को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही हैं। बहरहाल, समय की बदलती धारा के साथ महिलाएं अपने प्रयासों और प्रयत्नों में कहीं पीछे नहीं हैं, बस आवश्यकता है उन्हें सही मार्ग दिखाने और सही अवसर प्रदान करने की। नवरात्रि पर्व को धूमधाम से मनाने और इस अवसर पर कन्या पूजन करने का वास्तविक औचित्य भी तभी है, जब हम नारी के गुणों का इसी प्रकार सम्मान करें और उसे दोयम दर्जे की न समझकर उसके गुणों को महत्व दें तथा आगे बढ़ने के हरसंभव अवसर प्रदान करें।

ज्ञान विज्ञान

मंगल ग्रह पर जिंदगी की जगी आस, नासा रोवर ने खोज निकाली सालों पुरानी सूखी नदी और चट्टान

नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर एक सूखी नदी के तट पर चट्टानें खोजी हैं। ये चट्टानें अरबों साल पहले वहां मौजूद सूक्ष्म जीवन के संकेत दे सकती हैं। यह खोज नासा के लिए एक बड़ी सफलता है, जो लंबे समय से मंगल पर जीवन की तलाश में जुटा है। इस खोज से मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाओं को लेकर उत्साह बढ़ा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा पिछले लंबे समय में मंगल ग्रह पर काम कर रही है। यहां कई तरह की खोजें जारी हैं। इसके साथ ही यहां जीवन तलाशने का प्रयास भी नासा की तरफ से किया जा रहा है। अब इसी कोशिश में नासा को एक बड़ी सफलता मिली है। मंगल ग्रह पर भेजे गए रोवर पर्सिवरेंस ने एक सूखी नदी की धारा में चट्टानें खोज निकाली हैं, जिसने वैज्ञानिकों की उम्मीदें और बढ़ा दी हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का रोवर पर्सिवरेंस पिछले लंबे समय से मंगल ग्रह पर काम कर रहा है। इसी रोवर ने वहां एक सूखी नदी खोज निकाली है। इसके साथ ही वहां पुरानी सूखी नदी की धारा में चट्टानें मिली हैं। इन चट्टानों में ऐसे संकेत दिखाई दे रहे हैं, जिनसे अंदाजा लगाया जा रहा है कि अरबों साल पहले वहां शायद सूक्ष्म जीवन मौजूद हो सकता है।

पर्सिवरेंसकी इस खोज को लेकर वैज्ञानिकों ने बुधवार को जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले नमूनों की जांच करनी होगी। इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। नासा की इस खोज को इसलिए भी बेहद खास और चर्चा का विषय माना जा रहा है। क्योंकि नासा लंबे समय यानी कि सालों से

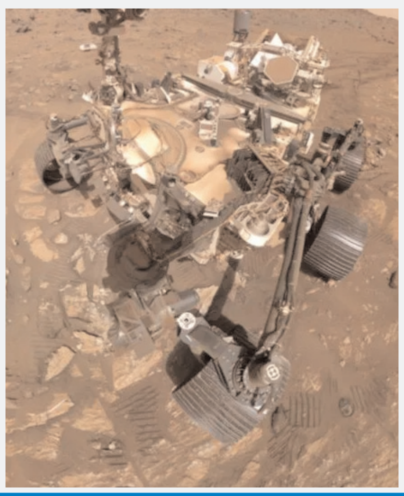

मंगल ग्रह पर जीवन की तलाश कर रहा है। सूखी नदियों के मिलने से साफ है कि वहां कभी पानी रहा होगा। अगर ऐसा है तो वहां जीवन की संभावना भी बनी रहती है। पर्सिवरेंस ने जो डेटा एकत्रित किया है। इससे उम्मीदें बढ़ गई हैं। हालांकि अब तक ये फिक्स नहीं हो पाया है कि ये नमूने कब तक धरती पर पहुंचेंगे। नासा की तरफ से मंगल ग्रह पर पिछले 4 सालों से लगातार खोज की जा रही है। पर्सिवरेंस रोवर को फरवरी 2021 में उतारा गया था। इसका काम प्राचीन जीवन के संकेतों और नमूनों को एकत्रित करना है। पिछले 4 सालों में 30 से ज्यादा नमूने एकत्रित किए हैं। हालांकि ये नमूने कब पृथ्वी पर आएंगे ये अब तक तय नहीं हो पाया है। इनके जमीन पर आने से काफी उम्मीदें हैं।

नजरिया

आधुनिक जीवनशैली में हृदय विकार का खतरा चरम पर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 82374 17041

हृदय रोग विश्व भर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या हैं। हमारे देश में तो यह चरम पर हैं, एक-दो दशक पहले तक यह समस्या केवल अमीर बुजुर्गों के हिस्से आनेवाली मानी जाती थी, परंतु देश में अब इस बीमारी ने अत्यधिक तेजी से पैर पसारे हैं। बच्चे और जवान भी इसके शिकार हो रहे हैं। देश में प्रदूषण और मिलावटखोरी ने समस्त जीवसृष्टि के लिए खतरा बढ़ाया है और मनुष्य का आलस्य, लालच, निकृष्ट दर्जे का खाना, आधुनिक जीवनशैली व मानसिक तनाव ने बीमारियों को मौत के तौर पर आमंत्रित किया हैं। देश में खुद युवा अवस्था में हृदय रोग चिकित्सक भी हृदय रोग से जान गंवाने की घटनाएं हो रही हैं। इस साल 2025 के लिए विश्व हृदय दिवस की थीम है एक भी धड़कन न चूकें। यह थीम हमारे हृदय स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए एक सशक्त अनुस्मारक है, जो हृदय रोग के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों के प्रति सक्रिय रहने और जाँच में देरी न करने, स्वस्थ आदतों और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप पर जोर देता हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। 2022 में, अनुमानित 19.8 मिलियन लोगों की हृदय रोग से मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली कुल मौतों का लगभग 32 प्रतिशत हैं। इनमें से 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे और स्ट्रोक के कारण हुई। संयुक्त राज्य अमेरिका में हर 34 सेकंड में एक व्यक्ति हृदय रोग से मरता है और 2023 में, हृदय रोग से 9,19,032 लोगों की मृत्यु हुयी, अर्थात हर तीन मौतों में से एक। अधिकांश हृदय रोगों को तंबाकू सेवन, अस्वास्थ्यकर आहार (नमक, चीनी और वसा में उच्च) और मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, द्वेष, चिड़चिड़ापन, गुस्सा, चिंता, अवसाद, मिलावटखोरी, शराब का हानिकारक सेवन और वायु प्रदूषण जैसे व्यवहारिक और पर्यावरणीय जोखिम कारकों को संबोधित करके रोका जा सकता हैं। हृदय रोग का जल्द से जल्द पता लगाना महत्वपूर्ण है ताकि परामर्श और दवा के साथ प्रबंधन शुरु किया जा सकें।

गुजरात के जामनगर शहर के 41 वर्षीय जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गांधी का उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। रिपोर्टों के अनुसार, डॉ. गांधी ने अपने करियर में 16,000 से ज़्यादा हृदय शल्य चिकित्साएँ की थी। अभी हाल ही में, 39 वर्षीय हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ग्रैडलिन रॉय का चेन्नई के एक अस्पताल में ड्यूटी के दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। अब तो छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी हृदय विकार से जान गंवाने की खबरें अत्यधिक बढ़ गयी हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि, देश में हर साल 14 साल से कम उम्र के सैकड़ों बच्चों की दिल का दौरा पड़ने या हृदय रोग से मृत्यु होती हैं। राजस्थान के सीकर स्थित एक स्कूल में 9 साल की एक बच्ची की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अलीगढ़ के एक 14 साल के लड़के की स्कूल की खेल प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक 10 साल का बच्चा अपने घर के सामने खेल रहा था, अचानक तबीयत खराब होने पर, वह घर गया और अपनी माँ से पिने के लिए पानी माँगा और माँ की गोद में ही दम तोड़ दिया। इससे पहले, महाराष्ट्र के नासिक में 6 साल की एक स्कूली बच्ची की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी।

वायु प्रदूषण के कारण हर साल 7 मिलियन लोगों की मृत्यु होती हैं, तथा इस्केमिक हृदय रोग इन मौतों के प्रमुख कारणों में से एक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान हैं, कि हर साल लगभग 4.2 मिलियन असामयिक मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोग; जो सड़कों, रेलमार्गों, बंदरगाहों या औद्योगिक क्षेत्रों के पास रहने या काम करने वाले लोग, जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने वाले लोग, धूम्रपान न करने वाले वयस्कों और बच्चों पर अप्रत्यक्ष धूम्रपान के धुएँ के संपर्क में आने से स्वास्थ्य प्रभाव हानिकारक और असंख्य हैं। अप्रत्यक्ष धूम्रपान के संपर्क में आने से हृदय रोग और स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम, गंभीर अस्थमा के दौरे और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। कई अध्ययनों ने वायु प्रदूषण और हृदय स्वास्थ्य के बीच एक स्पष्ट संबंध स्थापित किया है।

जब लोग प्रदूषित हवा में साँस लेते हैं, तो उसके सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक जाकर रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। इससे हृदय संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें शामिल हैं: रक्तचाप में वृद्धि, हृदय गति में गड़बड़ी, दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ना, एथेरोस्क्लेरोसिस, और असुरक्षित आबादी पर प्रभाव।

हृदय विकार के कारण तेजी से होनेवाली असमय मौतों की गति को अधिक जागरूकता, बेहतर जाँच और जीवन रक्षक उपायों की बढ़ती उपलब्धता द्वारा काफी हद तक कम करने में कारगर साबित हो सकते हैं। आधुनिक जीवनशैली अगर हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं तो ऐसी जीवनशैली को त्यागना ही बेहतर हैं। सरकार ने देश में व्यापक पैमाने पर फैले प्रदूषण, मिलावटखोरी और अस्वच्छता पर ठोस कदम उठाने चाहिए। संतुलित आहार लेना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। फलों और सब्जियों, प्रोटीन, स्वस्थ वसा, विटामिन और खनिजों का संतुलन बनाए रखें। जीवनशैली में रोजाना 30 मिनट व्यायाम को शामिल करके शुरुआत करें। कोई भी शारीरिक गतिविधि, हेल्दी हॉबी अच्छे हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, अपनी शारीरिक गतिविधि बढ़ाएँ और स्वस्थ वजन बनाए रखें। नमक, चीनी और वसा का सेवन हमेशा कम हों। हर रात 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। तंबाकू, शराब या अन्य कोई भी नशा हो, तुरंत छोड़ें। तनाव कम करने वाली गतिविधियाँ रोजमर्रा के क्रम में शामिल करें। जीवन में आनेवाली समस्याएं समझदारी और विवेक से हल करें, तनाव न लें। अपने व्यस्त समय से रोजाना खुद के लिए थोडा सा वक्त निकालकर हंसी-खुशी के पल जियें, कभी अपना बचपना भी जियें। जीवन के हर पल खुशी के साथ जियें।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मथुरा में रविवार को सांसद हेमा मालिनी मन की बात सुनती हुई।

त्योहारों के दौरान अराजकता फैलाने वालों को ऐसी सजा मिलेगी कि पीढ़ियां याद रखेंगी: योगी आदित्यनाथ

बलरामपुर (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी अराजक हरकत के ऐसे परिणाम होंगे जिन्हें आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।

मुख्यमंत्री कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। आदित्यनाथ ने कहा, अगर कोई त्योहारों के आनंद और उत्साह के दौरान उत्पात मचाने की कोशिश करेगा, तो उसे इस उत्पात की ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग भारत में रहते हैं लेकिन गजवा ए हिंद का नारा लगाकर भारत के अंदर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।''

आदित्यनाथ ने कहा, गजवा-ए-हिंद हिंदुस्तान की धरती पर नहीं होने दिया जाएगा। 'गजवा-ए-हिंद' की कल्पना या उसका सपना देखना भी नर्क का रास्ता बना देगा। अगर कोई नर्क जाना चाहता है, तो वह गजवा-ए-हिंद के नाम पर अराजकता फैलाने का प्रयास करके दिखाए।

कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, जो कोई भी किसी राहगीर पर हमला करेगा, जो कोई भी किसी बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, और... जो कोई भी त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी करेगा, हम उसे नर्क का एकतरफा टिकट देंगे।

बरेली में 26 सितंबर को हिंसक झड़प होने के बाद उन्होंने यह चेतावनी दी। जुमे की नमाज़ के बाद कोतवाली क्षेत्र में एक मस्जिद के बाहर 'आई लव मुहम्मद' के पोस्टर लिए भीड़ की पुलिस के साथ झड़प हुई थी।

भीड़ कथित तौर पर स्थानीय मौलवी तौकीर रज़ा खान के प्रस्तावित एक विरोध प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज थी।

सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जो लोग झूठी पहचान छिपाकर ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं, उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। उन्होंने कहा, ''देर-सवेर उनका हश्र भी छांगुर जैसा ही होगा। जलालुद्दीन ने 'छांगुर बाबा' का छद्म नाम इसलिए अपनाया क्योंकि वह चाहता था कि हिंदू गुमराह रहें और वह समाज की आंखों में धूल झोंकता रहे। लेकिन पापी चाहे कितनी भी कोशिश कर ले उसके पाप का घड़ा अंततः भर ही जाता है। धरती मां अब उसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।

'लोकाह चैप्टर 2' में फिर दिखेंगे टोविनो थॉमस और दुलकर सलमान

मुंबई/एजेन्सी

मलयालम सिनेमा के चर्चित अभिनेता और निर्माता दुलकर सलमान ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लोकाह चैप्टर 1' के सफल सफर के बाद इसके दूसरे भाग 'लोकाह चैप्टर 2' का ऐलान कर दिया है। पहली फिल्म 'लोकाह' ने मलयालम सिनेमा में तहलका मचा दिया था और इसे दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया।

इतना ही नहीं, इस फिल्म ने दिग्गज अभिनेता मोहनलाल की कई फिल्मों को भी कड़ी टक्कर दी। अब दर्शकों की उत्सुकता को ध्यान में रखते हुए निर्माता और अभिनेता दुलकर सलमान ने इसका दूसरा अध्याय पेश किया है। दुलकर सलमान ने 'लोकाह चैप्टर 1' का निर्माण भी किया था और फिल्म की अपार सफलता के बाद उन्होंने सीक्वल को लेकर बड़े अपडेट शेयर किए हैं। निर्माताओं ने फिल्म की आधिकारिक घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर और झलक भी प्रशंसकों के सामने पेश किया है। इस बार भी दुलकर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, वहीं उनके साथ अभिनेता टोविनो थॉमस अपनी अदाकारी का तड़का लगाएंगे।

फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। दुलकर ने इसे शेयर करते हुए लिखा, मिथकों से परे, किंवदंतियों से परे। एक नया अध्याय शुरू। 'लोकाह चैप्टर 2'।' दूसरी फिल्म की पहली झलक में टोविनो और दुलकर एक अंधेरी जगह में बैठे हुए बातचीत करते दिख रहे हैं। इस दृश्य से ही उनके किरदारों की रहस्यमय और सस्पेंस से भरी दुनिया का अहसास होता है। टोविनो फिल्म में माइकल का किरदार निभाएंगे, जबकि दुलकर सलमान चार्ली के रोल में दिखाई देंगे। फैंस इस घोषणा के बाद से ही फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'लोकाह चैप्टर 2' को लेकर उम्मीदें हैं कि यह मलयालम सिनेमा में फिर से नया रिकॉर्ड बनाएगी और दर्शकों को एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव देगी।

भाषाई विविधता के बावजूद धर्म ने भारत को एक रखा : राधाकृष्णन

पटना/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि भारत की असली ताकत ''धर्म'' की वह अवधारणा है, जिसने भाषाई विविधता के बावजूद देश को एक सूत्र में पिरोए रखा है।

राधाकृष्णन ने यह बात पटना में साहित्य अकादमी और केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'उन्मेष' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।राधाकृष्णन ने कहा, ''यूरोप के एक महानुभाव ने मुझसे पूछा कि भारत बिना किसी एक भाषा के कैसे एकजुट रह पाता है। मैंने उत्तर दिया कि यहां के लोग भले ही अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, लेकिन वे धर्म की अवधारणा के माध्यम से एकजुट रहते हैं।'' उन्होंने इस धारणा को भी खारिज किया कि लोकतंत्र एक पश्चिमी अवधारणा है, और कहा कि 2,500 साल पहले, बिहार की इस भूमि ने एक ओर शक्तिशाली मौर्य साम्राज्य को देखा और दूसरी ओर प्राचीन गणराज्य वैशाली का जन्मस्थान भी बना।'' उपराष्ट्रपति ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, '' 'उन्मेष' नए विचारों, आख्यानों और दृष्टिकोणों के जागरण का प्रतीक है, जो विचारों में विविधता का उत्सव मनाता है और भाषा, संस्कृति, भूगोल और विचारधारा के बीच की खाई को पाटता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन्मेष साहित्यिक संस्कृति का आधार बना रहेगा और लेखकों, विचारकों और पाठकों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में भी विस्तार से बात की, जहां प्राचीन काल में भगवान बुद्ध और महावीर द्वारा आध्यात्मिक पुनर्जागरण हुआ था और नालंदा एवं विक्रमशिला में शिक्षा के केंद्र थे,जहां दूर-दूर से विद्वान आते थे। उपराष्ट्रपति ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले 'चंपारण सत्याग्रह' को भी याद किया और राज्य की लोक संस्कृति की सराहना की, जो मधुबनी चित्रकला और छठ पर्व में परिलक्षित होती है।उपराष्ट्रपति बनने के बाद राधाकृष्णन का यह बिहार का पहला दौरा था। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। राधाकृष्णन ने अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल खान को ''एक पुराना मित्र'' बताया और कहा कि दोनों सांसद रहते हुए भी साथ काम कर चुके हैं।उपराष्ट्रपति ने कुछ देर रुककर महान समाजवादी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

टॉम ऑल्टर : बॉलीवुड के वे अभिनेता जिन्होंने सचिन तेंदुलकर का पहला टीवी इंटरव्यू लिया

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में टॉम ऑल्टर का रुतबा बेहद अलग ही था। वह न केवल एक शानदार अभिनेता थे, बल्कि खेल पत्रकार भी थे। उन्होंने क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का पहला टीवी इंटरव्यू लिया था। तब सचिन महज 15 साल के थे और उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू भी नहीं किया था। यह छोटा सा किस्सा टॉम की जिंदगी और करियर की उस खासियत को दर्शाता है जो उन्हें अन्य कलाकारों से अलग बनाती थी। उनका फिल्मी करियर 1976 में धर्मेंद्र की फिल्म 'चरस' से शुरू हुआ। तब से लेकर 2017 तक उन्होंने लगभग 300 फिल्मों में काम किया। टॉम के अभिनय की खासियत थी उनकी आवाज और स्टाइल, जिससे वे अंग्रेज अफसर या विदेशी किरदारों में बिल्कुल फिट बैठते थे। उनकी फिल्मों की लिस्ट में 'शतरंज के खिलाड़ी', 'क्रांति', 'गांधी', 'आशिकी', 'वीर-जारा' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उनका जादू थिएटर पर भी देखने को मिला। उन्होंने मिर्जा गालिब, मौलाना अबुल कलाम आजाद, बहादुर शाह जफर जैसे ऐतिहासिक किरदारों को बखूबी जीवंत किया।

टॉम ऑल्टर की जिंदगी में खेल पत्रकारिता का भी अहम हिस्सा था। 1980 और 1990 के दशक में वे स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट के रूप में काम करते थे। इसी दौरान, उन्होंने सचिन तेंदुलकर का पहला टीवी इंटरव्यू लिया। उस समय सचिन भारतीय क्रिकेट टीम में नहीं थे। टॉम के अनुसार, उन्हें मुंबई में यह खबर मिली थी कि दिलीप वेंगसरकर के बाद एक और बेहतरीन बल्लेबाज उभर रहा है; वह 15 साल का सचिन तेंदुलकर था। इस खबर ने टॉम को सचिन से मिलने और उनका इंटरव्यू लेने के लिए प्रेरित किया। यह इंटरव्यू क्रिकेट के इतिहास में एक खास मोड़ था, क्योंकि टॉम ने उस वक्त सचिन की प्रतिभा को पहचान लिया था, जो आगे चलकर भारतीय क्रिकेट का अभिन्न हिस्सा बने।

एक्टर और पत्रकार के अलावा, टॉम ऑल्टर एक लेखक भी थे। उन्होंने तीन किताबें लिखीं, जो उनके गहरे सोच और कला के प्रति लगन को दर्शाती हैं। उन्हें 2008 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया, जो भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह सम्मान उनके फिल्मों, थिएटर और सांस्कृतिक योगदान के लिए दिया गया था। टॉम ऑल्टर का निधन 29 सितंबर 2017 को हुआ।

वे लंबे समय से स्किन कैंसर से पीड़ित थे। वह अपने निभाए गए किरदारों के जरिए आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। टॉम ऑल्टर का जन्म 22 जून 1950 को मसूरी में हुआ था। उनका परिवार भारत-पाकिस्तान विभाजन से पहले लाहौर में रहता था, लेकिन बाद में उनके माता-पिता भारत आ गए। वे बचपन से ही भारतीय भाषा और कला के प्रति आकर्षित थे। टॉम की शक्ल और रंग-रूप देखकर लोग उन्हें विदेशी समझते थे, लेकिन वे खुद को पूरी तरह से भारतीय मानते थे।

द ताज स्टोरी फिल्म 31 अक्टूबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की फिल्म द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और जिसमें परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं, क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में विकास राधेशम का मार्गदर्शन है, ने लगातार जारी किए गए टीज़र पोस्टर्स के कारण सबका ध्यान खींचा है।परेश रावल के नेतृत्व में एक पावरहाउस कलाकारों की टीमजाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दासफिल्म में शामिल हैं। द ताज स्टोरी को एक सशक्त सोशल ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो हमारे समय के सबसे प्रगतिशील सवाल उठाता है: स्वतंत्रता के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? फिल्म का संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ ने तैयार किया है। यह सिर्फ एक साधारण पीरियड या ऐतिहासिक फिल्म नहीं है, बल्कि एक सिनेमा के माध्यम से बहस है। फिल्म इस विवादित कथा में गहराई से उतरती है, सामाजिक टिप्पणियों और ऐतिहासिक तथ्यों के पुनर्मूल्यांकन को मिश्रित करती है, जिससे यह न केवल विचारोत्तेजक बल्कि नाटकीय भी बनती है। द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर 2025 को देशभर में सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है, और यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और शायद इतिहास और स्वतंत्रता को देखने के तरीके को फिर से समझने के लिए प्रेरित करेगा।

आज, मेकर्स ने फिल्म का ऑफिशियल पोस्टर लॉन्च कर दिया है, जो निश्चित रूप से चर्चा में रहेगा। पोस्टर में ताज महल के ऊपर एक गैवल (सजग हथौड़ा) दिखाया गया है, जो दर्शकों में फिल्म को लेकर जिज्ञासा और बढ़ा देता है। मेकर्स स्पष्ट रूप से इस साहसिक सचाई को सबसे जबरदस्त तरीके से पेश करने के मूड में हैं, और हाल ही में जारी पोस्टर ने इसे पुष्टि भी कर दी है। पोस्टर कई सवाल खड़े करता है और दर्शकों को भारतीय इतिहास के उस अध्याय की ओर ले जाने का वादा करता है, जिस पर अब तक किसी ने बात नहीं की है।

कपिल शर्मा को धमकाने वाला आरोपी बंगाल से गिरफ्तार, पूछताछ शुरू

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई क्राइम ब्रांच ने मशहूर कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिलीप चौधरी के रूप में हुई है, जिसे पश्चिम बंगाल के 24 परगना से पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पश्चिम बंगाल से आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसे मुंबई लाया गया। यहां पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, इसके बाद अदालत ने आरोपी को 30 सितंबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में रखने का आदेश दिया। बता दें कि कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर कुछ समय पहले फायरिंग हुई थी। कपिल के 'कैप्स कैफे' में दो बार फायरिंग

होने की घटना ने सनसनी मचा दी थी। पिछले महीने 7 अगस्त को हुई इस फायरिंग की जिम्मेदारी गोल्डी ढिल्लों और लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में दावा किया गया कि कपिल को पहले फोन पर चेतावनी दी गई थी, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया। इसके बाद कैफे पर हमला हुआ और धमकी दी गई कि अगर वह अब भी नहीं मानें तो अगली कार्रवाई मुंबई में होगी। इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले जुलाई में हुई पहली फायरिंग में बब्बर खालसा से जुड़े हरजीत सिंह ने कैफे पर 9 गोलियां चलाई थीं। कैफे उस समय बंद था, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ। उस हमले को कपिल के शो में निहंग सिखों की वेशभूषा पर की गई टिप्पणी से जोड़ा गया था। दूसरी फायरिंग के बाद क्राइम ब्रांच अब कपिल शर्मा से दोबारा पूछताछ करेगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या गैंग के सदस्यों ने कपिल के घर या शूटिंग सेट के आस-पास रेकी की थी।

यह तो बस शुरुआत है, और भी राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना चाहती हूं: रानी मुखर्जी

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपने लगभग तीन दशक लंबे करियर में पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर बहुत उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह भविष्य में और भी पुरस्कार जीतेंगी। रानी मुखर्जी (46) ने शुक्रवार को इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में बातचीत की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या यह सम्मान उनकी 1996 में शुरू हुई यात्रा का समापन है। इस पर मुखर्जी ने कहा, मैं इसे एक अनंत यात्रा के रूप में देखना चाहती हूं।यह जारी रहती है, मैं इसे अंत नहीं कहना चाहती, क्योंकि अभी बहुत कुछ करना बाकी है, कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने हैं। शायद यह सिर्फ शुरुआत है। मुखर्जी ने बंगाली फिल्म बियेर फूल (1996) से फिल्मी दुनिया में पदार्पण किया और फिर कुछ कुछ होता है, गुलाम, चलते चलते, साथिया, हम तुम, ब्लैक, मर्दानी और हिचकी जैसी ब्लॉकबस्टर हिंदी फिल्मों में काम किया। मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया। आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित, 2023 में प्रदर्शित यह फिल्म नॉर्वे में रहने वाली एक भारतीय मां देबिका चटर्जी (मुखर्जी) की कहानी है, जो अपने बच्चे से जबरन अलग किये जाने के बाद उसे वापस पाने के लिए अधिकारियों से लड़ती है।

समारोह में मुखर्जी अपनी बेटी आदिरा के नाम वाली सोने की चेन पहने हुए नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी नौ साल की बेटी समारोह में शामिल होना चाहती थी, लेकिन प्रोटोकॉल के कारण ऐसा नहीं कर पाई। मेरी बेटी भी राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में शामिल होना चाहती थी लेकिन हमें बताया गया था कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को अनुमति नहीं है। मुझे उसे बताना पड़ा कि वह मेरे साथ नहीं आ सकती और तब उसने कहा, 'यह गलत है क्योंकि मैं ही सबसे ज्यादा खुश हूं कि आपने यह पुरस्कार जीता।' अभिनेत्री ने कहा, उसने मेरे लिए एक पेंटिंग भी बनाई थी और मैंने कहा, 'चिंता मत करो मैं इस खास दिन पर तुम्हें अपने साथ रखूंगी।' तो, यही मेरा तरीका था उसे अपना साथ महसूस कराने का। मुखर्जी ने स्वीकार किया कि जब उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म ब्लैक (2005) में एक बधिर और अंधी युवती की भूमिका के लिए पुरस्कार नहीं मिला था तो वह निराश हो गयी थीं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन भी थे।

हालांकि, फिल्म ने तीन पुरस्कार जीते - अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन और हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म। मैंने 'ब्लैक' में काफी मेहनत की थी, और उस समय मैं सिर्फ 25 साल की थी। ऐसी चर्चा थी कि मैं पुरस्कार जीतूंगी, लेकिन यह नहीं मिला...। मैंने सोचा, 'भले ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, लेकिन तब भी हमेशा आपके मन के अनुसार नहीं होता।' उन्होंने कहा, मैंने खुद से कहा, निराश मत हो, कड़ी मेहनत करते रहो, तुम्हें बेहतर करना है और मैं ऐसा करती रही। अभिनेत्री ने कहा कि उनके दिवंगत पिता, फिल्म निर्माता राम मुखर्जी का भी दिल टूट गया था जब उन्हें ब्लैक के लिए अनदेखा कर दिया गया था। उन्होंने कहा, मेरे पिता बहुत निराश और दुखी थे कि मैं उस साल पुरस्कार नहीं जीत पाई। फिल्म के निर्देशक संजय भी बहुत दुखी थे। लेकिन मुझे लगता है कि जब चीजें होनी होती हैं, तो हो ही जाती हैं। जिस तरह से भारत और मेरे प्रशंसकों ने अब मेरा उत्साहवर्धन किया, उससे ज्यादा सुखद और बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। रानी मुखर्जी वर्तमान में मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी पर काम कर रही हैं, जो 2026 में प्रदर्शित होगी।

विद्या बालन ने साझा किया ट्रेडिशनल लुक

मुंबई/एजेन्सी

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो चुका है और इस खास मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपने अनूठे अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीत रही हैं। नवरात्रि के पहले दिन से ही विद्या अपने खूबसूरत और पारंपरिक लुक को सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं। शनिवार को भी उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। मिनिमल मेकअप के साथ विद्या ने माथे पर छोटी-सी हरी बिंदी, कानों में बड़े-बड़े झुमके और पोनी स्टाइल में चोटी बांधी है, जिसने उनके लुक को ट्रेडिशनल टच दिया। उनकी तस्वीरें देखकर प्रशंसक उनकी सादगी और शालीनता की तारीफ कर रहे हैं। तस्वीरों में विद्या का अंदाज भी देखने लायक है। पहली तस्वीर में वह दीवार के बॉर्डर को पकड़कर दूसरी ओर देखते हुए पोज दे रही हैं, जो उनकी सहजता

को दर्शाता है। दूसरी तस्वीर में भी वह उसी अंदाज में उल्टी दिशा में देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को उन्होंने कैप्शन दिया, नवरात्रि का छठा दिन। विद्या के इस लुक को देख प्रशंसकों ने कमेंट्स में उनकी खूबसूरती और पारंपरिक अंदाज की जमकर तारीफ की। विद्या नवरात्रि के हर दिन अपने लुक से कुछ पेश कर रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'भूल भुलैया 3' में देखा गया था। इसी साल एक्ट्रेस की सुपरहिट फिल्म 'परिणीति' को सिनेमाघरों में री-रिलीज भी किया गया। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म 'कहानी 3' में दिखाई दे सकती हैं, हालांकि इसकी रिलीज की तारीख अभी तय नहीं हुई है। फिलहाल एक्ट्रेस फिल्मों से दूर सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट्स देती हैं। विद्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद आकर्षक और सौम्य अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने एश ग्रे रंग की चंदेरी साड़ी पहनी। इस साड़ी पर सुनहरे रंग की बारीक डिजाइन और मैचिंग बॉर्डर इसे और भी खास बनाते हैं। विद्या ने इस साड़ी के साथ गहरे हरे रंग का ब्लाउज पेयर किया, जो उनके लुक को और निखार रहा है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

विचार शुद्धि का सशक्त माध्यम है जिनवाणी का श्रवण : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने रविवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि आप्त पुरुषों की वाणी ही आगम है। आगमों का स्वाध्याय कर्म निर्जरा का सशक्त माध्यम है। जिनवाणी का श्रवण विचार शुद्धि का साधन है। भगवान की वाणी का पारायण शास्त्रोक्त विधि से करने से ही वास्तविक लाभ मिलता है । अकाल में शास्त्र वाणी के पठन से आराधना नहीं बल्कि ज्ञान की आशातना होती है जो कि अकाले कओ सज्झाओ रूप ज्ञान का अतिचार है। भगवान महावीर की अन्तिम वाणी उत्तराध्ययन सूत्र एक कालिक सूत्र है जिसके मूल पाठ का वांचन प्रथम और चतुर्थ प्रहर में ही करना चाहिए। काल का अतिक्रमण करके स्वाध्याय करने से लाभ के बजाय नुकसान होने की संभावना प्रबल हो जाती है।

मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान में तीर्थंकरों की गैर मौजूदगी में गुरुजनों का स्थान सर्वोपरि है। गुरु कृपा से ही हमें सही और गलत का भान होता है। उनके हितकारी मार्मिक उपदेशों से ही सन्मार्ग पर प्रवृत्त होने की प्रेरणा मिलती है। गुरु की कृपा ही जीवन विकास का मूलाधार है गुरुजनों के प्रति अविनय आशातना से बचने की सावधानी रखना जरूरी है। अपनी आत्मा का हित चाहने वाले को जीवन विनय गुण की प्रतिष्ठा करनी चाहिए। विनय गुण के अभाव में व्यक्ति की ऐसी दुर्दशा हो जाती है जैसे सड़े कान वाली कुतिया की होती है जिसके कान से मवाद झड़ रहा हो ऐसी कुतिया जहाँ भी जाती है लोग गंदगी और बीमारी फैलने के डर से तिरस्कार पूर्वक डंडे मारकर भगा देते हैं । ऐसे ही विनय गुण से शून्य अहंकारी व्यक्ति लोगों के बीच अनादर और तिरस्कार का पात्र बनता है। विनय गुण से सम्पन्न व्यक्ति को सर्वत्र आदर और सम्मान प्राप्त होता है। विनम्र व्यक्ति जीवन में प्रत्येक कदम पर इस बात का ध्यान रखता है कि मेरे द्वारा अपने उपकारी पूज्यवरों के प्रति अविनय अवज्ञा और आशातना का आचरण न हो । अहंकारी व्यक्ति सभी में दोष दर्शन करता है। दोष देखना अहंकार की खुराक है इस बुरी आदत से अहंकार पुष्ट होता है। अहंकारी व्यक्ति खुद को अन्य से श्रेष्ठ मानता है। वह अपने आप को दूध का धुला और दूसरों को कालिख पुता समझने लगता है। अहंकारी व्यक्ति के जीवन में विकास की संभावनाओं के सभी द्वार बंद हो जाते हैं और उसके पतन का दौर शुरू हो जाता है। अहंकार का विसर्जन ही विनय है। मुनि श्री ने कहा कि हमें अशुभ कर्म के बंध से बचने के लिए दूसरों के गुण और अपने अवगुण देखना चाहिए। ऐसा आचरण करने वाला ही एक दिन सुखी बनता है। स्वभाव का यह परिवर्तन वर्त्तमान और भविष्य को अच्छा बनाने में कारगर सिद्ध होगा। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने सभा का संचालन किया।

भीषण आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर टाउन हॉल क्षेत्र के सिम्को शोरूम में रविवार को सुबह बड़े पैमाने पर आग भड़क उठी। सिम्को प्लास्टिक सामान की दुकान है। इस घटना से मुख्यबाचार में हड़कम्प मच गया। मैन बाजार में लगी आग से आस पड़ोस के अन्य व्यापारी भी दहशत में आ गए।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई की अणुव्रत समिति की टीम ने कांचीपुरम के मठाधीश श्री जगतगुरु पूज्य श्री शंकरा विजेंद्र सरस्वती स्वामीजी के दर्शन कर, उन्हें अणुव्रत की गतिविधियों से अवगत कराया। स्वामीजी को अणुव्रत उदबोधन सप्ताह में सर्वधर्म सम्मेलन 3 अक्टूबर को होने जा रहे कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति चेन्नई के अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत, मंत्री कुशल बाठिया एवं अणुविभा से तमिलनाडु के राज्य प्रभारी डी. भरत मरलेचा आदि उपस्थिति रहे।

विशेष सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार द्वारा सिंधी धर्मशाला में विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। श्री गणेश वंदना, श्री गुरु वंदना और मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी पाठ और माता रानी के भजन हुए। इसमें 64 जोगनी रे तथा तुम राम बनके तुम श्याम बनके चले आना प्रभु चले आना भजन प्रस्तुत किए गए। इसमें सत्संग मंडल की तरफ से माता रानी को चुनरी उड़ाई गई। यह जानकारी मंडल के सदस्य श्री अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

ज्ञान का दान सर्वश्रेष्ठ है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि आत्मा के लिए अज्ञान अवस्था में की गई साधना उपासना आराधना दिशाहीन होती है। कर्म क्षय होने के बजाय नए कर्मों का बंधन होता है। अज्ञान सबसे बड़ा हमारा सबसे खतरनाक शत्रु है। अंधकार और अभिशाप है। नवरात्रि पर दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ अभिनंदन समारोह को संबोधित करते कहा कि जड़ और चेतन स्व और पर का भेद ज्ञान जब तक नहीं होता है वह डिग्री धारी भी अज्ञानी और नादान है श्रऔर जिसे भेद ज्ञान हो जाता है वह सूरदास जी सबसे महान पंडित और ज्ञानी कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय के माध्यम से एक शब्द का ज्ञान देना भी तीन लोक की संपत्ति के दान से बढ़कर है। आत्मा के सुषुप्त ज्ञान को प्रकट करना ही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए वह अनमोल खजाना है।

मुनि कमलेश से बताया कि सम्यक ज्ञान से की गई एक पल की साधना अनंत जन्मों के कर्मों से एक पल में आत्मा को मुक्ति दिला देती है। ज्ञान का सम्मान परमात्मा का सम्मान है ज्ञान का दूसरा नाम ही परमात्मा है। पानी से शरीर की शुद्धि होती है और ज्ञान के पानी से आत्मा निर्मल बनती है श्रजीवन का सच्चा साथी ज्ञान है। जिसको कोई बांट नहीं सकता, चुरा नहीं सकता, अग्नि में जला नहीं सकता, ज्ञान ही सर्वोत्तम धन है जो आत्मा के साथ अगले जन्म में भी चलता है। संकट की बेला में सच्चा साथी ज्ञान ही है। दक्षिण जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष लाभचंद खारीवाल ने प्रस्तावना रखी। प्रमुख मार्गदर्शक रीखब चंद लोढ़ा, मार्गदर्शिका कमला सज्जन राज मेहता ने संबोधित किया। उपाध्यक्ष दिलीप वया, महावीर चंद खाबिया, सुरेंद्र कोठारी, मंत्री शकुंतला सकलेचा, संघ संयोजक विजय कोटेचा, कोषाध्यक्ष जयंतीलाल कावड़िया, शांतिलाल सिंघवी, ऋषभ घोड़ावत ने 8 दिन पर्व स्वाध्याय में जाने वाले 90 स्वाध्यायियों का अभिनंदन किया।समारोह के मुख्य अतिथि पारस मल सुराणा विशेष अतिथि सुमति विशाल चातुर्मास पुरुषवाक्कम के मंत्री विनयचंद पावेचा, सह मंत्री संतोष पगारिया विशेष अतिथि के रूप में थे। समिति चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रकाश खींवेसरा, मंत्री संजय पींचा, अजीत कोठारी, ज्ञानचंद चोरडिया का उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान किया। संचालन अजीत गोठी ने किया।

'अनुशासन और आज्ञापालन के अद्वितीय उदाहरण थे सौभाग्यमुनि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री के सान्निध्य में श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि जी के 5वां पुण्यस्मृति दिवस त्याग और तपस्या पूर्वक मनाया गया। साध्वी आगमश्री ने कहा कि सौभाग्यमुनि का जीवन त्याग, साधना और तपस्या का अनुपम उदाहरण था। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मनोबल को दृढ़ रखा। उन्होंने अपने जीवन को समाज सेवा और आध्यात्मिक उन्नति के लिए समर्पित किया। वे न केवल साधना में अग्रणी थे, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने का भी उन्होंने अनवरत प्रयास किया। मनुष्य को परिस्थितियों के अधीन नहीं, बल्कि परिस्थितियों पर विजय पाने वाला बनना चाहिए। ङ्गसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि सौभाग्यमुनि का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका धैर्य, करुणा और संयम आज भी साधकों के लिए मार्गदर्शक है। सौभाग्यमुनि ने अपने गुरुओं के प्रति अपार श्रद्धा रखकर उनकी आज्ञाओं को ही अपना धर्म माना। यही कारण है कि उनका जीवन अनुशासन और आज्ञापालन का अद्वितीय उदाहरण बन गया। सभा में दिवाकर संप्रदाय के शताब्दी पुरुष मूलमुनि के जन्म जयंती पर गुणगान किए गए। पारसमल कटारिया ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय नवरात्रि दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने मणिपाल हॉस्पिटल व्हाइटफील्ड, हनुमान ऑप्टिक्स एवं अमाया डेंटल क्लिनिक के सहयोग से हुडी स्पोर्ट्स क्लब में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजमणि सिन्हा और सीईओ राममोहन पाठक ने जानकारी दी कि शिविर में करीब 150 लोगों ने नेत्र परीक्षण, ईसीजी, ब्लड शुगर, हिमोग्लोबिन जांच, दांतों की जांच एवं सामान्य चिकित्सा परामर्श लिया।

शिविर का शुभारंभ भाजपा महादेवपुरा के अध्यक्ष मुख्य अतिथि एचएस पिलापाना एवं विशेष अतिथि व राज्य भाजपा एसस मोर्चा के उपाध्यक्ष एचवी मंजूनाथ ने किया।

युवक परिषद द्वारा परोपकार कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन रत्न युवक परिषद् तमिलनाडु की परोपकार सेवा समिति के तत्वावधान में चेतपेट चेन्नई में स्थित एस आर एस सर्वोदया गर्ल्स संस्था में 28 सितम्बर 2025 को आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया व दिन में भोजन करवाया गया। भोजन के पूर्व सर्वोदया गर्ल्स की छात्राओं ने नमस्कार महामंत्र व जैन स्तोत्र की स्तुति की।

कार्यक्रम में श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया, युवक परिषद् के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल, उपाध्यक्ष महावीर कर्णावट, क्षेत्रीय प्रधान पीयूष ओस्तवाल, सहसचिव भरत बागमार, कोषाध्यक्ष, शिखर छाजेड़ परोपकार समिति के संयोजक संदीप बोथरा, अभिषेक कटारिया, निखिल करण कांकरिया, वीरेन्द्र, सुनील ओस्तवाल पंकज कर्णावट, जितेन्द्र डाकलिया का सेवा में पूर्ण सहयोग रहा।

साधारण सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर में भगवान महावीर गौशाला में 28 सितम्बर को साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभी का स्वागत भगवान महावीर गौशाला के अध्यक्ष बाबूलाल सिंघवी ने किया। कार्यक्रम में सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किए गए। सर्व सहमति से प्रसन कोठारी को भगवान महावीर गौशाला का अध्यक्ष मनोनित किया गया।

एसएसएस जैन युवक संघ की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन युवक संघ की 51वीं वार्षिक सभा का आयोजन एस एस एस जैन भवन में रविवार को आयोजित हुई। स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष तेजस मेहता ने दिया। संचालन सचिव आशीष बोहरा ने किया। दिलखुश पगारिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

वार्षिक आय व्यय व सालाना रिपोर्ट पेश की गई, इसके बाद वर्ष 2025- 2027 के लिए पदाधिकारियों व कार्यकारिणी का गठन विधिवत किया गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष आशीष बोहरा, सचिव दिलखुश पगारिया व कोषाध्यक्ष विक्रम रांका को चुना गया। कार्यकारिणी में धीरज बागरेचा, कांतिलाल धारीवाल, धीरज खींचा, ललित लोढ़ा, नितेश भंसाली, मनोज छाजेड, नवीन चोरड़िया व पंकज धारीवाल को चुना गया।

ज्ञान, दर्शन, चरित्र के दाता होते हैं गुरु : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि आत्म कल्याण के लिए गुरु सेवा जरूरी है। गुरु ज्ञान, दर्शन, चरित्र के दाता होते हैं। गुरु सेवा से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। साध्वीश्री वृद्धिप्रभा ने कहा कि उच्च शिक्षा से बढ़कर उच्च संस्कार जरूरी है। जैन समाज दान के क्षेत्र में हमेशा आगे रहा है किंतु शिक्षा संस्थान निर्माण में उस स्तर के प्रयास नही हुए हैं। हम बच्चों के लिए समृद्धि की चिंता तो करते हैं किंतु संस्कृति के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं। संपत्ति के चक्कर में संतति हाथ से निकलती जा रही है। संगति बिगड़ रही है। बच्चों के पास बैठने की परंपरा ही खत्म हो चुकी है। मोबाइल से सारा तानाबाना क्षत विक्षत हो गया है। मात्र गुरु सत्संग की अंतिम उम्मीद बची है। इसलिए हम अपने बच्चों को अवश्य गुरु संपर्क में लावें। प्रवचन में अखिल भारतीय जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत और राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाशचंद बोहरा भी उपस्थित थे। बोहरा ने जयमल श्रावक संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संघ अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का सम्मान किया। अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने जानकारी दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.